A Daily News Magazine

इंदौर

मंगलवार, 23 सितंबर, 2025

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 340, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

सऊदी-पाक रक्षा करार और भारत के सामने खड़े सवाल

दिलनवाज़ पाशा

पाकिस्तान और सऊदी अरब ने इसी सप्ताह एक अहम और ऐतिहासिक रक्षा समझौता किया है। पाकिस्तान एक सैन्य शक्ति लेकिन संघर्ष करती अर्थव्यवस्था है। वहीं सऊदी अरब आर्थिक रूप से ताक़तवर लेकिन सैन्य रूप से कमज़ोर है। सऊदी अरब और पाकिस्तान दोनों ही सुन्नी बहुल देश हैं और दोनों देशों के मज़बूत ऐतिहासिक संबंध रहे हैं।

सऊदी ने कई बार आर्थिक संकट के समय पाकिस्तान की मदद की है और पाकिस्तान भी बदले में सऊदी को सुरक्षा सहयोग का भरोसा देता रहा है। लेकिन हालिया समझौता सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच अब तक चले आ रहे सहयोग को औपचारिक रूप दे रहा है।

समझौते की सबसे अहम बात यह है कि अगर दोनों में से किसी भी देश पर हमला होता है तो उसे दूसरा देश भी ऐसे हमले को खुद पर हमला मानेगा। यानी अब अगर पाकिस्तान या सऊदी अरब पर कोई हमला होता है तो इसे दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। दोनों देशों की थल, वायु और नौ सेनाएं अब और अधिक सहयोग करेंगी और खुफ़िया जानकारियां साझा करेंगी। पाकिस्तान एक परमाणु संपन्न देश है ऐसे में इसे खाड़ी में सऊदी अरब के लिए सुरक्षा गारंटी भी माना जा रहा है।

हाल ही में इजराइल ने क़तर की राजधानी दोहा में हमास के नेताओं पर हमले किए थे. इससे अरब जगत में उथल-पुथल और बेचैनी हुई है। ग़ाज़ा में चल रहे इजराइल और हमास के बीच युद्ध की पृष्ठभूमि और मौजूदा वैश्विक और राजनीतिक परिवेश में इसे सऊदी अरब के लिए अहम माना जा रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ़ ने इस समझौते के बाद कहा, 'हमारे भाईचारे के रिश्ते ऐतिहासिक मोड़ पर हैं, हम दुश्मनों के खिलाफ़ एकजुट हैं।' पाकिस्तान के पूर्व राजदूत हुसैन हक्क़ानी ने कहा, 'पाकिस्तान सऊदी से मिले पैसे से अमेरिकी हथियार ख़रीद पाएगा।' वहीं पाकिस्तान की राजनयिक मलीहा लोधी ने इस समझौते के बाद कहा, 'इससे अन्य अरब देशों के लिए भी दरवाज़े खुल गए हैं।'

इस समझौते की कई विस्तृत जानकारियां अभी मौजूद नहीं हैं। हालांकि विश्लेषक मान रहे हैं कि यह सऊदी अरब और पाकिस्तान के रिश्तों में अहम पड़ाव है। एक विश्लेषण में स्टिमसन सेंटर की दक्षिण एशिया मामलों की निदेशक एलिज़ाबेथ थ्रेकहेल्ड ने कहा कि इससे पाकिस्तान को सऊदी अरब से ऊर्जा और वित्तीय सुरक्षा मिलने की क्षमता और मज़बूत होगी। हालांकि हार्वर्ड केनेडी स्कूल के बेलफ़र सेंटर की रिसर्चर और लाहौर यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय मामलों की प्रोफ़ेसर राबिया अख्तर मानती हैं कि यह समझौता पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच दशकों से चले आ रहे सहयोग को औपचारिक रूप देता है, यह कोई नई बड़ी प्रतिबद्धता नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार और अमेरिका की डेलावेयर यूनिवर्सिटी में प्रोफ़ेसर मुक्तदर ख़ान कहते हैं, 'ये पाकिस्तान के लिए लॉटरी निकलने जैसा है। पाकिस्तान को सऊदी अरब से और अधिक वित्तीय मदद मिलेगी और पाकिस्तान इससे अपनी रक्षा क्षमताओं को मज़बूत कर सकेगा। सऊदी अरब पाकिस्तान की रक्षा क्षमताओं के लिए और अधिक निवेश करेगा।'

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में चरमपंथी हमले में भारतीय पर्यटकों की मौत के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में सैन्य संघर्ष हुआ था। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ़ की गई सैन्य कार्रवाई को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया था और संघर्ष विराम होने के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी भी जारी है।

विश्लेषक मानते हैं कि अब भारत को पाकिस्तान के खिलाफ़ एकतरफ़ा कार्रवाई करने से पहले यह सोचना पड़ेगा कि कहीं सऊदी अरब खुलकर तो पाकिस्तान के साथ नहीं आएगा। प्रोफ़ेसर मुक्तदर ख़ान कहते हैं, 'भारत को अब यह सोचना होगा कि अगर वह पाकिस्तान पर हमला करेगा तो कहीं सऊदी सीधे तौर पर पाकिस्तान के साथ तो नहीं खड़ा होगा। भारत के दसियों लाख लोग सऊदी अरब में काम करते हैं। कहीं इन भारतीयों के हित तो प्रभावित नहीं होंगे।'

इसी साल सऊदी ने पाकिस्तान को 1.2 अरब डॉलर की तेल ख़रीद पर देरी से भुगतान की सुविधा दी थी। इसी तरह साल 2018 में भी सऊदी अरब ने पाकिस्तान को 3 अरब डॉलर की तेल ख़रीद पर देरी से भुगतान की सुविधा दी थी। पाक को सीधी मदद के अलावा सऊदी ने पाकिस्तान को राहत पैकेज भी दिए हैं और भारी निवेश भी किया है। विश्लेषक मानते हैं कि अब यह रक्षा समझौता होने के बाद पाकिस्तान को सऊदी अरब से और अधिक आर्थिक मदद मिल सकती है।

पाकिस्तान को इस समझौते के बाद ऊर्जा सुरक्षा भी मिलेगी। पाकिस्तान सालाना अरबों डॉलर का तेल सऊदी अरब से ख़रीदता है और कई बार सऊदी पाकिस्तान को देरी से भुगतान की सुविधा भी देता है। संकट के समय पाकिस्तान अब सऊदी पर और अधिक निर्भर हो सकेगा।

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की पूर्व दूत मलीहा लोधी ने एक विश्लेषण में कहा, 'इससे कई क्षेत्रों में दोनों देशों के संबंध और मज़बूत होंगे। पाकिस्तान ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक सहयोग के लिए सऊदी अरब पर और अधिक निर्भर हो सकेगा। भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में हमेशा तनाव रहा है और हाल के सालों में भारत ने मध्य पूर्व में अपने संबंध और प्रभाव मज़बूत किया था।'

विश्लेषक मानते हैं कि इस समझौते के बाद पाकिस्तान को क्षेत्र में और गंभीर शक्ति के रूप में देखा जा सकता है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ़ ने इस समझौते की घोषणा के बाद दिए एक बयान में कहा है कि अन्य अरब देशों के शामिल होने की संभावना को ख़ारिज नहीं किया गया है और दरवाज़े बंद नहीं हैं। उन्होंने जियो टीवी से बातचीत में यह भी कहा कि पाकिस्तान की परमाणु क्षमताएं इस समझौते के तहत उपलब्ध होंगी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री के बयान को अन्य अरब देशों के लिए ऐसा ही समझौता पाकिस्तान के साथ करने के लिए न्योता भी माना जा सकता है।

अंतराष्ट्रीय मामलों के जानकार प्रोफ़ेसर मुक्तदर ख़ान कहते हैं, 'इजराइल के हमले के बाद क़तर कोई जवाब नहीं दे सका। अरब देशों ने भारी ख़र्च करके हथियार तो ख़रीदे हैं लेकिन उनके पास युद्ध का अनुभव नहीं है। पाकिस्तानी सेना के पास कई युद्ध लड़ने का अनुभव है। ऐसे में पाकिस्तान को मध्य पूर्व में एक गंभीर शक्ति के रूप में देखा जा सकता है।' विश्लेषक यह मान रहे हैं कि क्षेत्रीय मंच पर यह समझौता पाकिस्तान को नए तरीक़े से प्रासंगिक बना देगा।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

जीएसटी के बाद अब आरबीआई देगा बड़ा तोहफा

दिवाली गिफ्ट की तैयारी, ब्याज दरों में कर सकता है कमी

- **दीवाली से पहले आम लोगों को मिलेगी एक और बड़ी राहत**

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने जीएसटी दरों में कटौती कर आम लोगों को दिवाली का गिफ्ट दे दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले के प्राचीर से इस बारे में घोषणा की थी। अब रिजर्व बैंक दिवाली से पहले आम आदमी को एक और गिफ्ट देने की तैयारी में है।

माना जा रहा है कि रिजर्व बैंक इस महीने ब्याज दरों यानी रेपो रेट में कटौती कर सकता है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। अभी ब्याज दर 5.50 फीसदी है। अगर ब्याज दरों में कटौती होती है तो इससे बैंक से लोन लेना सस्ता होगा। साथ ही ईएमआई का बोझ भी कम होगा। रिजर्व बैंक की इस महीने मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग होगी। माना जा रहा है कि इस मीटिंग में रिजर्व बैंक ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट (0.25 फीसदी) की कमी कर सकती है।

रिजर्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर में ब्याज दरें घटाना सही रहेगा। अभी महंगाई कंट्रोल में है और आगे भी इसके कम होने की उम्मीद है। एमपीसी की मीटिंग 29 से 30 सितंबर को होगी और पॉलिसी का फैसला 1 अक्टूबर 2025 को होगा। एसबीआई की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगर ब्याज दरें नहीं घटाई गईं तो टाइप 2 एरर होने का खतरा है। पहले भी ऐसा हो चुका है जब रिजर्व ने अच्छी स्थिति होने के बावजूद ब्याज दरें नहीं घटाई थीं। टाइप 2 एरर का मतलब है कि जब कोई चीज करनी चाहिए, तब उसे न करना। रिपोर्ट में कहा गया है कि सेंट्रल बैंकों का बिना शोर-शराबे वाला कम्युनिकेशन भी एक पॉलिसी टूल है। सितंबर में भी टाइप 2 एरर (न्यूट्रल रुख के साथ ब्याज दर में कटौती नहीं) करने का कोई मतलब नहीं है।

दि्तीय ब्रह्मचारिणी

नव दुर्गा के दूसरे रूप का नाम है मां ब्रह्मचारिणी। ब्रह्मचारिणी का अर्थ है वह जो असीम, अनन्त में विद्यमान, गतिमान है। एक ऊर्जा जो न तो जड़ न ही निष्क्रिय है, किन्तु वह जो अनन्त में विचरण करती है। यह बात समझना अति महत्वपूर्ण है – एक गतिमान होना, दूसरा विद्यमान होना।

पुनर्विकसित त्रिपुरेश्वरी मंदिर का पीएम ने किया उद्घाटन

- **पूजा-अर्चना भी की, 1501 में महाराजा धन्य माणिक्य ने करवाया था निर्माण**

अरुणाचल प्रदेश में कहा-3 करोड़ लखपती दीदी का लक्ष्य, ये मोदी का मिशन है

अगरतला (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को त्रिपुरा के गोमती जिले में पुनर्विकसित त्रिपुरेश्वरी मंदिर का उद्घाटन किया और मंदिर में पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम में राज्यपाल एन. इंद्रसेन रेड्डी, मुख्यमंत्री माणिक साहा और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी मौजूद थे। पांच सौ वर्ष से भी अधिक पुराना यह मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है। इस मंदिर का केंद्र सरकार की 'प्रसाद' या पीआरएएसएडी (तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान) योजना के तहत 52 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया गया है। इस मंदिर का निर्माण महाराजा धन्य माणिक्य ने 1501 में करवाया था।

- **कांग्रेस की तुलना में बीजेपी सरकार ने 16 गुना ज्यादा पैसे दिए-** प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बीजेपी सरकार ने कांग्रेस की तुलना में अरुणाचल को 16 गुना ज्यादा पैसा दिया है और यह सिर्फ टैक्स का हिस्सा है। हम नॉर्थ ईस्ट के आठों राज्यों को अष्टलक्ष्मी के रूप में पूजते हैं, इसलिए इस क्षेत्र को विकास में पीछे नहीं देख सकते।

हमारा एक ही मंत्र है, 'नागरिक देवो भव'

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की इस मानसिकता ने न सिर्फ अरुणाचल को, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर को बहुत नुकसान पहुंचाया और यह क्षेत्र विकास में बहुत पीछे छूट गया। जब आपने मुझे 2014 में मौका दिया, तो मैंने देश को कांग्रेस की इस सोच से मुक्त करने का संकल्प लिया। हमारा लक्ष्य तीन करोड़ दीदी बनाने का है। हमारी प्रेरणा किसी राज्य में वोटों और सीटों की संख्या नहीं, नेशन फर्स्ट की भावना है। हमारा एक ही मंत्र है, नागरिक देवो भव। पीएम ने कहा कि जहां विकास कार्य करना चुनौती होता था, उसे कांग्रेस भूल जाती थी। जो सीमा से सटे गांव थे, उन्हें लास्ट विलेज कहती थी।

मप्र ने नवकरणीय ऊर्जा में राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया नया मानक : मुख्यमंत्री

मुरैना सोलर प्लस स्टोरेज परियोजना रिकॉर्ड न्यूनतम 2 रूपए 70 पैसे प्रति यूनिट टैरिफ पर प्रदान कर रही है नवकरणीय ऊर्जा

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मुझे गर्व है कि मुरैना सोलर प्लस स्टोरेज परियोजना के शुभारंभ के साथ ही नवकरणीय ऊर्जा में मध्यप्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर नया मानक स्थापित किया है। यह भारत की पहली परियोजना है, जो रिकार्ड न्यूनतम 2 रूपए 70 पैसे प्रति यूनिट टैरिफ पर स्थिर और डिस्पैचेबल नवकरणीय ऊर्जा प्रदान कर रही है। मध्यप्रदेश में ऊर्जा के विभिन्न स्त्रोतों की स्थापित क्षमता तेजी से बढ़ रही है। वर्ष 2025 तक सौर क्षमता लगभग 5 हजार मेगावाट पर पहुंच चुकी है, जिसे वर्ष 2035 बढ़ाकर 33 हजार मेगावाट करने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य सरकार द्वारा इंडस्ट्रियल प्रमोशन पालिसी, रिन्यूएबल एनर्जी पालिसी 2025 और पम्प हाइड्रो पालिसी 2025 के अंतर्गत औद्योगिक निवेश के लिए कई आकर्षक प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं।

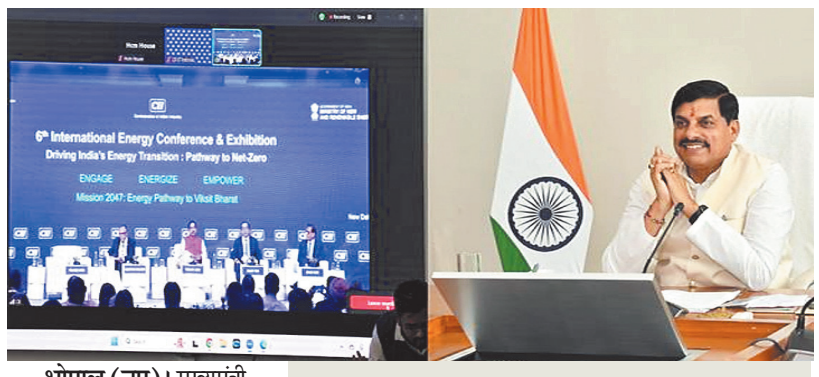

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को नई दिल्ली के होटल ताज में आयोजित सीआईआई अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में केन्द्रीय नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रहलाद जोशी, मालदीव के पर्यावरण एवं पर्यटन राज्यमंत्री श्री मुवियाथ मोहम्मद, सीआईआई और ई.वाय इंडिया के पदाधिकारी एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अगला अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन मध्यप्रदेश में आयोजित करने के लिए सभी को आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, पीएम-कुसुम योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और स्मार्ट ग्रिड जैसी पहलों के माध्यम से भारत ने ऊर्जा क्षेत्र को आत्मनिर्भर, स्वच्छ और सतत् दिशा प्रदान की है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हम नेट जीरो के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अब केवल भारत का दिल नहीं, बल्कि निर्माण गतिविधियों का केन्द्र भी बन रहा है। यह समय हमारे लिए निर्णायक है, वैश्विक परिस्थितियाँ बदल रही हैं और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है। 'मेक इन इंडिया' और 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करते हुए एक ऐसे भारत की नींव रखी जा रही है जो सुरक्षित, सक्षम और विश्व को मार्गदर्शन प्रदान करने की सामर्थ्य रखता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हम सभी नेट जीरो के लक्ष्य की ओर दृढ़ संकल्पित होकर कदम बढ़ा रहे हैं। आने वाले वर्षों में भारत और मध्यप्रदेश विश्व के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य का मार्गदर्शक बनेगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था अब दुनिया की आशा और भरोसे का केंद्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि आज भारत को वैश्विक स्तर पर नज़र अंदाज़ नहीं किया जा सकता। हमारी मातृभूमि भारत अब केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया की आशा और भरोसे का केंद्र बन चुकी है। भारत आज ऊर्जा और नवकरणीय ऊर्जा, टेक्सटाइल, आईटी, कृषि, फार्मा, रक्षा और अंतरिक्ष हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने ऊर्जा क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है एवं भारत को स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी में वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित किया है। भारत ने 2070 तक नेट-ज़ीरो और 2030 तक 500 गीगावाट नॉन-फॉसिल फ्यूल क्षमता का लक्ष्य रखा है। देश 251.5 गीगावाट नॉन-फॉसिल ऊर्जा क्षमता को पार कर चुका है और सौर मॉड्यूल निर्माण क्षमता में 100 गीगावाट की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

सुप्रभात

बाबा नागार्जुनजी से क्षमा के साथ :

बों बाज़ार ही ब्रह्म है
बों बाज़ार और बाज़ार और बाज़ार और और बाज़ार
खों खरीद, फों फ़रोख्त, सों सेंसेक्स का सांड
बों ब्रांड, ब्रांड, ब्रांड एम्बेसेडर बाज़ार का भांड
सों सेल...
छों छूट...
कों कैशलेस, फों फेसलेस, ब्रों ब्रेनलेस
कों कंज्यूमर, कों कंज्यूमर, कों कंज्यूमर
मों माल, मों माल, मों माल
मों मॉल और मॉल और मॉल और और मॉल
हो सबकुछ, सबकुछ, सबकुछ
बचे कुछ नहीं, कुछ नहीं, कुछ नहीं
बों बैंक बैंक बैंक बैंक
लों लोन लोन लोन लोन
मों माई, माई, माई हर महीने की ईएमआई
भों भंड, भंड, भंड, भंड हुई महीने की कमाई
कों कार कार, फों फ्लैट फ्लैट
नों नमक-तेल-हल्दी-ज़ीरा-हींग
नों नेटफ्लिक्स, ओं ओ टीटी
कों कोयला-इस्पात-पेट्रोल
हों हमी हम ठोस, बाक़ी सब फूटे ढोल
बों बेचो बेचो बेचो बेचो
खों ख़रीदो ख़रीदो ख़रीदो ख़रीदो
ओं भ्रांति भ्रांति भ्रांति जीवन ही भ्रांति:
ओं क्रांति: क्रांति: क्रांति: ख़रीदना ही क्रांति:
ओ शांति: शांति: शांति: सर्वग्वं शांति:।

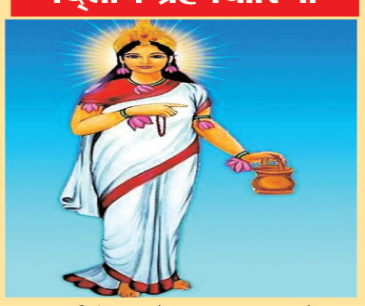

– पुनर्वसु जोशी

सैटेलाइट्स की सुरक्षा के लिए भारत बॉडी गार्ड सैटेलाइट बनाएगा

- **अंतरिक्ष में संदिग्ध गतिविधि भी पता चलेगी**

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरिक्ष में बढ़ते खतरे और दुश्मन देशों की सैटेलाइट गतिविधियों को देखते हुए भारत सरकार अपने उपग्रहों की सुरक्षा मजबूत करने की योजना बना रही है। मोदी सरकार अब ऐसे खास बॉडीगार्ड सैटेलाइट बनाने की तैयारी कर रही है, जो अंतरिक्ष में भारतीय सैटेलाइट की सुरक्षा करेंगे और किसी भी संदिग्ध गतिविधि का तुरंत जवाब देंगे। ब्लूमबर्ग के सूत्रों के अनुसार, इस तैयारी को तेजी तब मिली जब 2024 के बीच एक पड़ोसी देश का सैटेलाइट इसरो के सैटेलाइट के सिर्फ 1 किलोमीटर पास से गुजरा था। रिपोर्ट के मुताबिक, यह सैटेलाइट 500-600 किलोमीटर की ऊंचाई पर था और मैपिंग और जमीन की निगरानी जैसे सैन्य काम कर रहा था। हालांकि, दोनों सैटेलाइट्स टक्कर नहीं हुई।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 30 °c | न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार, 23 सितंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

भोपाल में गरबा पंडालों पर लिखा-जेहादियों का आना मना

विवादित होर्डिंग्स लगाए ; हिंदू संगठन बोले- पकड़े जाने पर 'घर वापसी' कराई जाएगी

भोपाल (नप्र)। नवरात्रि की शुरुआत के साथ राजधानी भोपाल के अवधपुरी इलाके में श्री कृष्ण सेवा समिति के गरबा पंडाल के बाहर लगाए गए विवादित होर्डिंग ने माहौल गरमा दिया है। हिंदू संगठनों द्वारा लगाए गए इन पोस्टरों पर लिखा है 'जिहादियों का आना सख्त मना है, पकड़े जाने पर घर वापसी कराई जाएगी'।

होर्डिंग में जूते-चप्पल और लाठी की तस्वीरें भी छपी हैं, जिन्हें देखकर आसपास के लोगों में मिश्रित प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। इसके साथ ही वहां मौजूद कुछ युवकों ने विवादित और अपमानजनक नारे भी लगाए, जिनका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पंडाल में प्रवेश के लिए समिति ने पांच नियम तय किए

माथे पर तिलक, हाथों में कलावा

आधार कार्ड की जांच

गंगाजल-गोमूत्र का आचमन

वराह देवता व मां दुर्गा की तस्वीर को नमन करना।

पंडाल के बाहर लगाए नारे।

श्री कृष्ण सेवा समिति के अध्यक्ष गोपाल तोमर ने कहा, जो सनातन धर्म में विश्वास रखते हैं, मां-बहनों का सम्मान करते हैं, देवी को देवी मानते हैं, उनका स्वागत है। परंपराओं का अपमान करने वालों को रोकने के लिए यह नियम बनाए गए हैं। पंडाल के बाहर युवकों को लाठी-डंडों के साथ खड़ा देखा गया। जो हमारी मां बहनों को अपनी मां बहन की तरह पूजे, माने और देवी को देवी माने उसकी यहां एंट्री है। जो गंगाजल पीता है, जो कलावा बांधता है, जो तिलक लगाता है, जो वराह देवता को प्रणाम कर सकता है, उन सभी का सनातन में स्वागत है। ऐसा नहीं होने पर आप अगर पकड़ा जाते हैं तो आपको हम सनातन वापस लाएंगे और नहीं आते हैं तो आप ने यह देखा है जूते चप्पल लठ सबसे उनका स्वागत किया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना का बड़ा प्लान

ड्रोन कमांडो तैयार कर रही सेना, पहले बैच की ट्रेनिंग जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के टेकनपुर में बीएसएफ के ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में ड्रोन वॉरफेयर स्कूल शुरू हुआ है। पांच हफ्तों में 47 जवान यहां से 'ड्रोन कमांडो' बनकर निकलेंगे। यह ऑपरेशन सिंदूर के बाद ड्रोन को बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने की बीएसएफ की योजना का हिस्सा है। इस स्कूल में जवानों को ड्रोन उड़ाने, निगरानी करने, हमला करने और दुश्मन के ड्रोन्स का मुकाबला करने की ट्रेनिंग दी जा रही है। बीएसएफ अकादमी के एडीजी शमशेर सिंह ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध ने दिखाया है कि अब जंग टैंकों और बंदूकों से नहीं, बल्कि हवा में ड्रोन्स से लड़ी जा रही है। वो चाहते हैं कि जवान

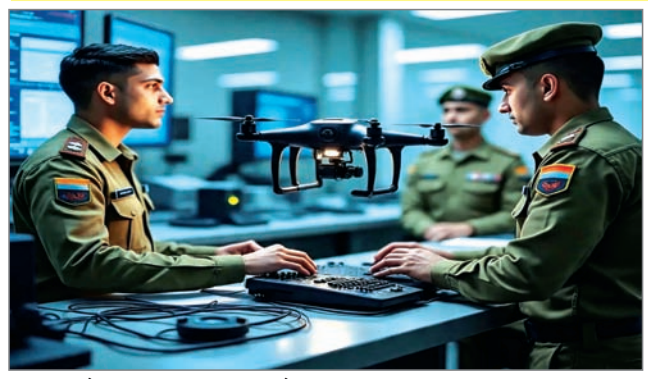

ड्रोन को वैसा ही हथियार बनाएं जैसे वो इंसास राइफल को 15 सेकंड में खोलकर जोड़ लेते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस ड्रोन वॉरफेयर स्कूल में दो मुख्य कोर्स हैं- जवानों के लिए ड्रोन कमांडो और अफसरों के लिए ड्रोन वॉरियर्स। स्कूल में तीन विंग हैं जो कि फ्लाइंग व पायलटिंग, रणनीति और रिसर्च एंड डेवलपमेंट हैं। शमशेर सिंह ने बताया कि जवान ड्रोन को हथियार की तरह ले जा सकेंगे। वे इससे निगरानी, गश्त, दुश्मन के ड्रोन को मार गिराने और जरूरत पड़ने पर बम गिराने का काम करेंगे। स्कूल के ट्रेनिंग हेड ब्रिगेडियर रूपिंदर सिंह ने कहा कि कोर्स में उड़ान, तकनीकी और रणनीति की ट्रेनिंग शामिल है। यह स्कूल ट्रेनर्स भी तैयार कर रहा है, जो फील्ड यूनिट्स में जाकर ड्रोन टेक्नोलॉजी सिखाएंगे। बीएसएफ ड्रोन को बड़े स्तर पर शामिल करने का प्लान कर रही।

बिना जंग के ही भारत में शामिल होगा पीओके

राजनाथ बोले-ऑपरेशन सिंदूर कभी भी हो सकता है शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ओर से ऑपरेशन सिंदूर का दूसरा या तीसरा चरण कभी भी शुरू हो सकता है। यदि पाकिस्तान ने आतंकी हमले कराने या फिर घुसपैठिये भेजने की हिमाकत की तो भारत दोबारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने से हिचकेगा नहीं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मोरक्को में भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी पीओके को लेकर भी बड़ी बात कही। राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर एक दिन भारत का हिस्सा बनेगा और इसके लिए जंग की भी जरूरत नहीं है। राजनाथ सिंह ने कहा कि यदि पाकिस्तानी आतंकियों ने फिर कोई हमला किया तो हम ऑपरेशन सिंदूर तत्काल शुरू करेंगे। राजनाथ सिंह ने यह बताने से इनकार कर दिया कि ऑपरेशन सिंदूर में कितने पाकिस्तानी आतंकी ढेर किए गए थे। उन्होंने कहा कि यदि हमने आंकड़ा बताया तो लोग खुशी से नाचने लगेंगे। उन्होंने कहा कि एक दिन पीओके भारत का हिस्सा होगा और उसके लिए जंग की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी तैयारी का स्तर यह है कि पहलगाम आतंकी हमले के अगले ही दिन एक मीटिंग बुलाई गई थी। इस मीटिंग में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, रक्षा सचिव, तीनों सेनाओं के प्रमुख और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ मौजूद थे। इस

दौरान मैंने पूछा कि क्या अभी जंग छिड़ जाए तो हम उसके लिए तैयार हैं। इस पर सभी सेना प्रमुखों ने कहा कि हम एकदम तैयार हैं। किसी भी वक्त जंग शुरू की जा सकती है। डिफेंस मिनिस्टर ने कहा कि इसके बाद मैं अगले दिन पीएम नरेंद्र मोदी से मिला। उन्होंने मीटिंग के दौरान तीन सेनाओं को अधिकृत किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-भाजपा विधायक को गिरफ्तार क्यों नहीं किया

छतरपुर में मर्डर केस में एसपी को नोटिस, सीबीआई डायरेक्टर-डीजीपी से मांगी रिपोर्ट

भोपाल (नप्र)। सुप्रीम कोर्ट ने छतरपुर एसपी और राजनगर सीट से भाजपा विधायक अरविंद पटेरिया को नोटिस जारी किया है। विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान राजनगर सीट से कांग्रेस के तत्कालीन विधायक कुंवर विक्रम सिंह के ड्राइवर सलमान खान की 17 नवंबर 2023 को गाड़ी से कुचलकर हत्या कर दी गई थी।

सलमान की पत्नी राजिया ने भाजपा विधायक पटेरिया पर हत्या का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी। डेढ़ साल बाद भी आरोपी विधायक की गिरफ्तारी और कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए एसपी से इसका जवाब मांगा है।

डीजीपी, सीएस और सीबीआई डायरेक्टर तलब- सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई डायरेक्टर, डीजीपी, मुख्य सचिव और संबंधित जिले के एसपी को स्टेटस रिपोर्ट के साथ बुलाया है। इसके अलावा आरोपी अरविंद पटेरिया, जिन्हें मध्यप्रदेश सरकार ने सुरक्षा प्रदान की है, को भी नोटिस जारी किया है। दो हफ्ते बाद इस मामले में अगली सुनवाई होगी।

सीबीआई या एसआईटी को जांच सौंपने की मांग

याचिकाकर्ता राजिया अली ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया है कि अपराध क्रमांक 321/2023 की जांच स्थानीय पुलिस से हटाकर सीबीआई या स्वतंत्र एसआईटी को सौंपी जाए। साथ ही याचिकाकर्ता और उनके परिवार के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कोर्ट से परिस्थिति के अनुसार उचित आदेश पारित करने की भी मांग की है।

पत्नी का आरोप- आरोपी समझौते का बना रहे दबाव

ड्राइवर सलमान खान की पत्नी राजिया अली ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका में कहा कि घटना को डेढ़ साल से अधिक समय बीत गया है, लेकिन न तो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई और न ही जांच पूरी हुई। मुख्य आरोपी अरविंद पटेरिया चुनाव जीतकर राजनगर से विधायक बन गए हैं और उनका पुलिस-प्रशासन पर दबदबा है। राजिया अली ने कहा कि स्थानीय पुलिस आरोपियों को संरक्षण और सुरक्षा प्रदान कर रही है। जबकि उन्हें और उनके परिवार को लगातार यह दबाव बनाया जा रहा है कि वे समझौता कर लें।

मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम की नई प्लानिंग कर रहा एनटीए

बड़े सुधार की है तैयारी! अब बदलने वाली है नीट परीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी में भी रिफॉर्म्स की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) सुधारों के रोडमैप पर काम कर रही है। पिछले दो वर्षों से नीट को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। इसी को देखते हुए मेडिकल प्रवेश परीक्षा में सुधारों की शुरुआत की जा रही है। छात्रों, टीचर्स, पैरेंट्स, विशेषज्ञों से राय ली जाएगी कि क्या मेडिकल एग्जाम को भी पेन एंड पेपर मोड से कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट में शिफ्ट किया जा सकता है। नीट यूजी में 23 लाख से ज्यादा कैंडीडेट्स आवेदन करते हैं और हाजिरी भी 96 से 97 प्रतिशत तक रहती है। देश के इस बड़े एग्जाम को क्या सीबीटी मोड में लाया जा सकता है, इस पर फीडबैक बहुत अहम होगा। एनटीए की ओर से नीट परीक्षा में पारदर्शिता को सुनिश्चित करने के लिए आधार-आधारित प्रमाणीकरण और बायोमीट्रिक वेरिफिकेशन को भी पूरी तरह से लागू करने की तैयारी है। रीयल-टाइम वीडियो निगरानी, सुरक्षित केंद्रों का विस्तार भी किया जाएगा। एनटीए के सूत्रों का कहना है कि नीट परीक्षा को लेकर फीडबैक प्रक्रिया जल्द ही माय जीओवी प्लेटफॉर्म पर लाइव होगी। इसमें छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और संस्थानों से सुझाव मांगे जाएंगे। छात्रों की राय भी अहम होगी। नीट पर कोई भी फैसला शिक्षा मंत्रालय और इसके तहत आने वाली एनटीए अकेले नहीं ले सकते हैं। इस परीक्षा को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय की मंजूरी भी जरूरी होगी। स्वास्थ्य मंत्रालय देश में मेडिकल एडमीशन की प्रक्रिया देखता है।

यूपी में जाति लिखने पर वाहनों का चालान होगा

- एफआईआर में आरोपी की जाति भी नहीं लिखी जाएगी, जातिगत रैलियों पर भी रोक

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सरकार ने जातीय भेदभाव रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अब पुलिस रिकॉर्ड, नोटिस बोर्ड और गिरफ्तारी मेमो में आरोपी की जाति का जिक्र नहीं किया जाएगा। खास बात यह है कि आरोपी के पिता के नाम के साथ अब माता का नाम भी दर्ज किया जाएगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद शनिवार को कार्यवाहक मुख्य सचिव दीपक कुमार ने ये आदेश जारी किया। कहा- समाज में जातीय विभाजन बढ़ाने वाली किसी भी प्रवृत्ति को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वाहनों पर जाति लिखकर घूमने वालों का चालान होगा। जातीय स्टिकर-नारे हटाए जाएंगे। जाति आधारित रैलियों पर अब प्रतिबंध रहेगा। आदेश के मुताबिक, सोशल मीडिया पर जाति को बढ़ावा देने या किसी जाति की निंदा करने वालों पर भी कार्रवाई होगी। ऐसे पोस्ट करने वालों के खिलाफ पुलिस एफआईआर दर्ज करेगी। सिर्फ उन्हीं मामलों में जाति दर्ज करने की अनुमति होगी, जहां कानूनी बाध्यता है- जैसे कि एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज केस।

जिसकी शादी टूटी, वह पति या पत्नी के प्रेमी से हर्जाना मांग सकता है

दिल्ली हाईकोर्ट बोला-व्यभिचार अब क्राइम नहीं, लेकिन इसके नतीजे खतरनाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि कोई पति या पत्नी अपने साथी के प्रेमी पर मुकदमा कर सकता है, और अपनी शादी तोड़ने, प्रेम को नुकसान पहुंचाने के लिए आर्थिक मुआवजे की मांग भी कर सकता है। महिला की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस पुरुषेन्द्र कौरव ने कहा कि भले ही व्यभिचार अब अपराध नहीं है, फिर भी इसके नतीजे खतरनाक हो सकते हैं। 15 सितंबर को हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि विवाह की पवित्रता से व्यक्ति कुछ अपेक्षाएं रख सकते हैं। हालांकि निजी स्वतंत्रता का इस्तेमाल करना अपराध नहीं है। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि व्यभिचार या एडल्टरी को अपराध के तौर पर सजा नहीं दी जा सकती, लेकिन ऐसा करना जीवन और अधिकारों के लिए खतरनाक हो

सकता है। हालांकि पति और उसकी प्रेमिका को नोटिस जारी किया गया है, ताकि इस बात पर फैसला हो सके कि शादी टूटने की वजह महिला है या नहीं। सुनवाई के दौरान बेंच ने जोसेफ शाइन मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जिक्र किया। जिसमें कोर्ट ने व्यभिचार को अपराध से मुक्त कर दिया। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के लिए लाइसेंस घोषित नहीं किया था। अगर मौजूदा मामला आगे बढ़ता है तो यह स्नेह के अलगाव के दावों को लागू करवाने वाला पहला मामला बन सकता है। यह मामला एक पत्नी की पति की प्रेमिका के खिलाफ दर्ज शिकायत से जुड़ा था। महिला ने 2012 में शादी की। 2018 में उसके जुड़वां बच्चे हुए, लेकिन समस्या तब शुरू हुई जब 2021 में दूसरी महिला उसके पति के व्यवसाय में शामिल हो गई।

ठग सुकेश केस में जैकलीन फर्नांडिस को नहीं मिली राहत

- एससी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में याचिका रद्द करने से किया इनकार, कहा-आरोप बरकरार रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मामले में एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने सुकेश से जुड़े 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले को रद्द करने की मांग की थी। यह मामला प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज किया गया है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने जैकलीन की याचिका खारिज करते हुए कहा कि अगर जरूरत हो तो वह आगे चलकर सही समय पर दोबारा कोर्ट आ सकती हैं। जैकलीन की तरफ से सीनियर वकील मुकुल रोहतगी ने तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष का मामला यही है कि उन्हें तोहफे लेते समय सावधानी बरतनी थी।

जासूसी के लिए दुकानदारों का इस्तेमाल कर रहा पाक

सीआरपीएफ जवान की गिरफ्तारी के बाद बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए जासूसी के लिए मई महीने में गिरफ्तार किए गए सीआरपीएफ असिस्टेंट सब इन्सपेक्टर मोती राम जाट को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक जासूसी के लिए पाकिस्तान से उन्हें पैसे भेजे जाते थे लेकिन यह पैसा सीधा पाकिस्तान से नहीं बल्कि भारत के ही लोगों से मिलता था। जानकारी के मुताबिक एजेंसी जल्द ही चार्जशीट कोर्ट में पेश कर सकती है। गौर करने वाली बात है कि मोती राम जाट का पहलगाम में हमला होने से ठीक चार दिन पहले ही दिल्ली ट्रांसफर हो गया था। इससे पहले वह पहलगाम में ही तैनात था। जाट के अकाउंट की जांच के बाद पता चला कि अक्टूबर 2023 से लेकर अप्रैल 2025 के बीच उसके अकाउंट में पाकिस्तानी इंटेलीजेंस ऑपरेटिव कोडनेम सलीम अहमद ने 1.90 लाख रुपये भिजवाए थे। यह पैसा सीधा नहीं बल्कि व्यापार आधारित मनी लॉन्ड्रिंग चैनल से उसके अकाउंट में पहुंचा था। रिपोर्ट के मुताबिक यह पूरा नेटवर्क छोटे कारोबारियों के माध्यम से काम करता है और उन्हें पता भी नहीं चलता कि उनका इस्तेमाल किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि एनआईए को पता चला कि पाकिस्तान के कुछ लग्जरी फैशन ब्रैंड के कपड़े दिल्ली और पटना के छोटे कारोबारियों के पास पहुंच रहे हैं।

कनाडा में खालिस्तानी आतंकी इंदरजीत अरेस्ट

- पन्नू का है करीबी साथी, निज्जर की मौत के बाद कर रहा था भारत विरोधी काम

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादी इंदरजीत सिंह गोसल को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिससे एक बार फिर से पता चलता है कि किस तरह से कनाडा में खालिस्तानी आतंकियों का नेटवर्क फैल रहा है। इंद्रजीत गोसल, जो 36 साल का है, वो सिख फॉर जस्टिस नाम के आतंकी संगठन के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नून का करीबी साथी है। रिपोर्ट के मुताबिक, ओवाटा में इंदरजीत सिंह गोसल को गिरफ्तार किया गया है। उसपर हथियारों को रखने को लेकर कई तरह के गंभीर आरोप हैं। गोसल पिछले साल जून 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से कनाडा में प्रमुख आयोजक बन गया था। निज्जर की मौत के बाद पन्नू ने गोसल को सबसे भरोसेमंद माना है।

अहमदाबाद विमान हादसा

पायलट की चर्चा अफसोसजनक स्वतंत्र जांच की संभावनाएं तलाशें

- सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र-डीजीसीए और जांच एजेंसी एएआईबी से जवाब भी मांगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश में पायलट की गलती को लेकर उठ रही चर्चाओं को अफसोसजनक बताया है। इसके लिए कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो से जवाब मांगा है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बैंच ने इस मामले में स्वतंत्र जांच करवाने की संभावना पर भी ध्यान दिया है। इसको लेकर एविएशन सुरक्षा सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन ने पीआईएल दायर की है। इसमें आरोप लगाया गया है कि प्रारंभिक रिपोर्ट में जरूरी जानकारी छुपाई गई है और यह नागरिकों के जीवन, समानता और सही जानकारी पाने के अधिकार का उल्लंघन करती है। पीआईएल में कहा गया, ईंधन स्विच की खराबी और इलेक्ट्रिकल फॉल्ट जैसी तकनीकी समस्याओं को नजरअंदाज किया गया और दुर्घटना का दोष केवल पायलट पर डाल दिया गया।

वेलर्स के साथ ठगी की वारदात, दिल्ली जाते हुए शताब्दी से ग्वालियर में पकड़ा

विकलांग ने असमर्थता बताते हुए आभूषण फ्लैट पर मंगवाए और भाग गए

इंदौर। शहर के प्रसिद्ध झांजरिया वेलर्स के कर्मचारी के साथ लाखों की धोखाधड़ी कर लूट करने वाले दो शातिर ठग लसूड़िया पुलिस की गिरफ्त में आए। गिरफ्तार आरोपियों के नाम विशाल पिता शंकरलाल शेरा (48 साल) दिल्ली और विकलांग प्रमोद पिता कल्याणदास सेन (50 साल) कासगंज है। इनसे ठगे गए 10 लाख 50 हजार रुपए के सोने की 2 चेन और 2 सोने के कड़े भी जब्त किए गए।

आरोपियों ने एयर बीएनबी के जरिए ऑनलाइन निपानिया स्थित पिनेकल ड्रीम्स में फ्लैट बुक किया था। जेवरात के शोरूम के कर्मचारी को फ्लैट पर बुलाकर आभूषण की धोखाधड़ी व लूट की गई। दोनों आरोपी वेलरी शोरूम कर्मचारी को चकमा देकर धोखे से भोपाल भाग गए थे। जानकारी मिलने पर लसूड़िया पुलिस ने कार्रवाई की। सीसीटीवी फुटेज तथा तकनीकि सबूतों की मदद से आरोपियों के संबंध में जानकारी ली गई। आरोपियों को भोपाल से शताब्दी ट्रेन पकड़कर दिल्ली भागते समय जीआरपी ने ग्वालियर पुलिस की मदद से ग्वालियर रेल्वे

स्टेशन पर हिरासत में ले लिया। पकड़े गए ठगों से अन्य अपराधों के संबंध में आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

घटना के अनुसार शनिवार झांझरिया वेलर्स के कर्मचारी फरियादी पवन कुमार चौहान ने थाने उपस्थित होकर रिपोर्ट किया कि शुक्रवार 19 सितंबर को हमारे शोरूम पर एक व्यक्ति ने अपने आपको केवल गुप्ता बताकर कहा कि मैं आपके शोरूम पर कई बार खरीदी कर चुका हूं। मैं विकलांग हूं, इसलिए शोरूम पर नहीं आ सकता। आप मुझे व्हाट्सअप पर कुछ चेन व ब्रेसलेट, कड़े भेज दीजिए। हमने कुछ चेन व कड़ो की फोटो भेजी। जिनमें से दो चेन व दो कड़े उन्होंने पसंद किए और कहा कि आप 20 सितंबर को सुबह साढ़े 9 बजे फ्लेट क्रमांक 501 पिनेकल ड्रीम्स निपानिया पर भिजवा दीजिए। वहीं पैमेंट भी कर दिया जाएगा।

फ्लैट पर धोखे से ठगी – फरियादी ने बताया कि मैंने आर्टिकल तैयार करवाकर वाउचर लेकर 2 सोने की चेन व 2 सोने के कड़े कीमत 10 लाख 50 हजार रुपए के लेकर बताए पते पर पहुंचा दिए। वहां एक विकलांग व्यक्ति जिसका दाहिना पैर नही था, वह मिला। घर में कुछ नौकर काम कर रहे थे। देखने में लगा कि यह उन्हीं का फ्लैट है।उस विकलांग व्यक्ति ने मुझे चाय व नाश्ता करने के लिए कहा और बोला कि मेरी भाभी नीचे पार्लर में है ,मै उन्हे वेलरी दिखाकर आता हूं। भैया भी आने वाले हैं, जो पेमेंट क्लीयर कर देंगे। मुझे लगा कि विकलांग व्यक्ति कहां भागेगा।

कुछ देर तक वह व्यक्ति वापस नहीं आया, तो मुझे शंका हुई। मैने आस-पास व नीचे जाकर देखा तो वह विकलांग व्यक्ति एक ग्रे रंग की स्विफ्ट डिजायर कार में बैठता दिखाई दिया। साथ ही आगे एक व्यक्ति और बैठ रहा था। मैंने आवाज लगाई, लेकिन वे रुके नहीं। मैं इनके पास गया और उनको रोकने की कोशिश की, तो आगे बैठे व्यक्ति ने मुझे धक्का दे दिया, जिससे मैं नीचे गिर गया। तभी यह लोग कार से हमारे 10 लाख 50 हजार रुपये के आभूषण लेकर फरार हो गए।

पुलिस की विशेष टीम गठित – प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सहायक पुलिस आयुक्त विजयनगर आदित्य पटले के नेतृत्व में आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष टीम का गठन किया। गठित टीम ने फरियादी से चर्चा कर घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों के फोटो तथा हुलिया प्राप्त किया। जिस कार से दोनो आरोपी भागे थे, उसे ट्रेस कर ड्राइवर से चर्चा कर जानकारी ली गई। उसने बताया कि दोनों आरोपियों को ओमेक्स सिटी कॉलोनी बायपास पर छोड़ा है। ओमेक्स सिटी मेन गेट के सीसीटीवी कैमरे चेक किए जहां से जानकारी मिली कि दोनों एक सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार से देवास की ओर गए हैं। उस कार को ट्रेस कर कार चालक से गहन पूछताछ कर जानकारी एकत्रित की गई। कार चालक से जानकारी मिली कि दोनों आरोपियों को उसने भोपाल रेलवे स्टेशन पर छोड़ा है। दोनों शताब्दी ट्रेन से दिगी जाने की बात कर रहे थे।

शताब्दी में पकड़ाए आरोपी : इस जानकारी के आधार पर ट्रेन शताब्दी एक्सप्रेस की लोकेशन प्राप्त की गई, जो कुछ देर में ग्वालियर पहुंचने वाली थी। जीआरपी इन्दौर में तैनात डीएसपी योति शर्मा के माध्यम से जीआरपी थाना प्रभारी ग्वालियर निरीक्षक बबीता कटारिया से संपर्क कर आरोपियों के सीसीटीवी से प्राप्त फोटो व घटना की जानकारी साझा की गई। निरीक्षक बबीता कटारिया ने अपनी टीम के साथ मिले हुलिए के आधार पर दोनों आरोपियों की तलाश शताब्दी एक्सप्रेस में की, तो दोनों ट्रेन के आखरी डिब्बे में मिले जिन्हें पकड़कर उनके कब्जे से धोखाधड़ी कर लूटे गए आभूषण बरामद कर लिए। बाद में इन दोनों आरोपियों को पकड़कर इंदौर लाया गया। इनकी अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

कोबरा पकड़ते आरक्षक को सांप ने डसा, हुई मौत

इंदौर। सदर बाजार इलाके में कोबरा पकड़ते समय एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। फर्स्ट बटालियन में तैनात आरक्षक संतोष चौधरी (45) को शनिवार रात घोड़ों के अस्तबल में सांप पकड़ने बुलाया गया। संतोष को सांप पकड़ने का अनुभव था और वह पहले भी कई बार ऐसा कर चुके थे। लेकिन इस बार कोबरा ने उन्हें डस लिया। वीडियो में दिखा कि काटे जाने के बाद भी उन्होंने साहस दिखाते हुए सांप को पकड़ लिया, मगर जहर तेजी से फैलने के कारण इलाज के बावजूद उनकी मौत हो गई। संतोष 17 वर्षों से पुलिस सेवा में थे और परिवार में पत्नी, एक बेटा व एक बेटी हैं। घटना से पुलिस विभाग व परिजनों में शोक का माहौल है। विशेषज्ञों का कहना है कि सांप के काटने पर तुरंत अस्पताल पहुंचकर एंटी-वेनम लेना ही जीवन रक्षक कदम होता है।

नाबालिग ने बच्ची जन्मी, घर वालों ने झाड़ी में नवजात की कहानी गढ़ दी

जब पुलिस कार्रवाई शुरू हुई, तो बच्ची को गोद लेने की बात कही

इंदौर। बाणगंगा क्षेत्र में रहने वाली महिला ने पुलिस को बताया कि आधी रात मुझे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। घर से बाहर निकली तो देखा कि आवाज झाड़ियों से आ रही था। मैं मोबाइल का टॉर्च जलाकर आगे गई। वहां गाजर घास में एक नवजात ठिठुर रही थी। मैं उसे घर ले आई और पति को बताया।

महिला के अनुसार नवजात 14 सितंबर की रात मिली थी। वह पति के साथ पुलिस के पास पहुंची। पुलिस नवजात के मिलने की वही कहानी सुनाई, लेकिन दूसरे ही दिन पुलिस को कुछ और ही मामले का पता चला। दंपती ने पुलिस को बताया था कि वे मासूम को घर में लाए। उसे साफ करके कपड़े पहनाए। दोनों बेटियों (7 साल और 17 साल) ने उसे खूब प्यार किया। दूसरे दिन 15 सितंबर को दंपती को लगा कि लावारिस बच्ची को घर में रखने पर अपराध दर्ज हो सकता है। इसलिए वे पुलिस के पास गए और बच्ची को सौंप दिया। पुलिस ने बची को अस्पताल पहुंचाया। वह स्वस्थ पाई गई। दंपती ने पुलिस से कहा कि वे उसे गोद लेना चाहते हैं। पुलिस ने सहमति दे दी।

पुलिस ने जांच शुरू की – जांच में पता लगाया कि बच्ची को झाड़ियों में कौन छोड़ गया था। पुलिस को अनुमान था कि जहां बच्ची मिली वहां आसपास मेटरनिटी होम और अस्पताल होंगे और वहां डिलीवरी हो सकती है, लेकिन जांच में ऐसा कुछ नहीं मिला। टीआई सियाराम गुर्जर और टीम को लगा कि दंपती की दो बेटियां और 11 साल का बेटा है। ऐसे में नवजात के कपड़े घर में कैसे मिल गए। सीसीटीवी देखे तो घटनास्थल पर कोई आवाजाही नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने दंपती से पूछताछ की।

बदनामी के डर से कहानी बनाई - 19 सितंबर की शाम पूछताछ के दौरान दंपती ने बताया कि उनकी नाबालिग बेटी के साथ तीन लोगों ने दुष्कर्म किया था। आरोपियों में एक उनका रिश्तेदार और दो सफाई कर्मचारी हैं। बेटी के गर्भवती होने का काफी देर बाद पता चला। बेटी और परिवार की बदनामी के डर से पुलिस को झूठी कहानी बताई।

बस में मोबाइल चुराने वाले दो गिरफ्तार

इंदौर। तिलक नगर थाना पुलिस और यातायात आरक्षकों की तत्परता से बस में मोबाइल चोरी करने वाले दो आरोपी रंगेहाथ पकड़ाए। फरियादी छग्गन कन्नौजे अपनी पत्नी को खरगोन जाने वाली बस में बिठाने पहुंचे थे,तभी एक आरोपी ने मोबाइल चोरी कर बाहर खड़े साथी के साथ बाइक से भागने की कोशिश की।

घटनास्थल पर मौजूद ट्रैफिक पुलिस जवानों ने तुरंत पीछा किया, इस दौरान आरोपी बाइक सहित गिर पड़े और दोनों घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने चोरी किया गया मोबाइल और घटना में उपयोग की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तोशिफ पिता शब्बीर खान निवासी गांधीनगर और शाहरुख पिता नवाब खान निवासी सम्राट कॉलोनी इंदौर के रूप में हुई। दोनों के खिलाफ धारा 303(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर अन्य मामलों में पूछताछ की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना तिलक नगर पुलिस और यातायात आरक्षक दल की भूमिका सराहनीय रही।

1220 बदमाशों की चेकिंग, 559 पर कार्रवाई

इंदौर। शहर में अपराध और असामाजिक तत्वों पर लगाम कसने के लिए पुलिस कमिश्नरेट इंदौर ने बीती रात व्यापक कॉम्बिंग गश्त और सरप्राइज चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन और एडिशनल कमिश्नर अमित सिंह व आरके सिंह के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई से बदमाशों में खौफ का माहौल देखा गया।

पुलिस ने अभियान के दौरान 1220 बदमाशों की जांच की, जिनमें से 559 पर वैधानिक कार्रवाई की गई। लंबे समय से फरार 71 स्थायी, 99 गिरफ्तारी और 141 जमानती वारंटों सहित 311 से यादा वारंट तामील कराए गए, साथ ही 121 समंस भी बांटे गए।

वाहन चालकों की लापरवाही पर शिकंजा कसते हुए 153 शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई की गई, वहीं 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किए गए। सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वालों के खिलाफ 23 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। इसके अतिरिक्त आदतन बदमाशों पर 72 प्रतिबंधात्मक कार्रवाइयां की गईं। चेकिंग के दौरान पुलिस ने 257 गुंडे-बदमाशों, 75 नकबजनों, 26 लुटेरों, 63 चाकूबाजों, 133 निगरानीशुदा अपराधियों और 107 जिला बदर/रासुका बदमाशों पर निगरानी रखी।

सराफा चौपाटी की कमेटी में दोनों एसोसिएशनों से दो-दो लोग होंगे

प्रशासन और पुलिस के अधिकारी कमेटी का समन्वय करेंगे

इंदौर। रात्रिकालीन सराफा चौपाटी को लेकर इंदौर जवाहरात व्यापारी एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने चौपाटी हटाने की मांग उठाई थी। नगर निगम ने विवादों में पड़ी सराफा चौपाटी की कमेटी में बदलाव किया गया है। पहले कमेटी में एसोसिएशन के तीन लोगों को शामिल किया था। लेकिन, अब इसमें दोनों एसोसिएशन के दो-दो पदाधिकारी ही रहेंगे। जल्द ही कमेटी का गठन किया जाएगा। इसके लिए महापौर ने निगम आयुक्त को निर्देशित किया है।

सराफा चौपाटी मामले में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सराफा एसोसिएशन के पदाधिकारियों और सराफा चौपाटी के पदाधिकारियों के साथ एक बैठक की और आपसी समन्वय के साथ इसमें 9 लोगों की कमेटी बनाने का फैसला लिया था। कमेटी में सराफा व्यापारी एसोसिएशन और सराफा चौपाटी एसोसिएशन के तीन-तीन

सदस्य रखने का निर्णय हुआ था। इसके अलावा महापौर सहित अन्य लोगों की कमेटी गठित होनी थी।

सराफा कमेटी में बदलाव– एमआईसी मेंबर निरंजन सिंह चौहान ने बताया कि जो 9 सदस्यों की कमेटी बनना थी, उसमें कुछ बदलाव किया गया है। पहले जहां सराफा एसोसिएशन और चौपाटी के तीन-तीन सदस्य इसमें शामिल होने वाले थे। उसके बजाय इसमें दो-दो पदाधिकारी अध्यक्ष और महामंत्री ही शामिल रहेंगे।

जो कमेटी बनेगी, इसमें सभी पदेन सदस्य ही रहेंगे। उदाहरण के लिए जो अभी अध्यक्ष हैं, वह इस कमेटी में रहेंगे। अध्यक्ष बदलने के बाद जो नए अध्यक्ष बनेंगे। वह इस कमेटी के सदस्य कहलाएंगे। इस कमेटी में विधायक के साथ ही सराफा के रहवासी को भी शामिल किया जाएगा। इसके अलावा संबंधित इलाके के एसडीएम और पुलिस उपायुक्त को इसमें समन्वय के लिए रखा जाएगा। कमेटी में महापौर, विधायक सहित 9 सदस्य रहेंगे।

कमेटी जल्द तैयार होगी

सराफा चौपाटी किस स्वरूप में रहेगी, इसे लेकर ये कमेटी बनाई जा रही है। जल्द ही इस कमेटी का गठन किया जाएगा। इसे लेकर महापौर ने निगम आयुक्त को निर्देशित भी कर दिया है। कमेटी का गठन होने के बाद सराफा चौपाटी किस स्वरूप में रहेगी, यह कमेटी में तय किया जाएगा। इधर, एमआईसी मेंबर निरंजन सिंह चौहान ने बीते कुछ दिनों पहले लगातार तीन दिनों तक सराफा चौपाटी का दौरा किया और यहां पर होने वाली दिक्कतों और परेशानियों के साथ ही यहां आने वाले लोगों से भी बातचीत की थी। साथ ही ये भी देखा था कि यहां कितनी दुकानें लग रही हैं। इसमें कितनी दुकानें पुरानी है। किन दुकानों पर गंदगी होती है ये सब भी देखा था।

दो साल से चल रही बिना नंबर की कार को 2 किमी पीछा कर पकड़ा

इंदौर। तेजाजी नगर चौराहे पर यातायात प्रबंधन कर रही टीम ने आईटी पार्क की ओर से तेज गति से आती हुई बिना नंबर अर्टिगा कार को रोकना चाहा, पर वाहन भगा ले गया। यातायात के सूबेदार अमित कुमार यादव एवं आरक्षक आशीष ने पीछा करके लगभग 2 किलोमीटर बाद रालामंडल मर्जिंग पॉइंट पर कार को रोका गया।

रोकने पर ड्राइवर ने बताया कि क्या करूं साहब मेरा मालिक मानता ही नहीं है वह 2 साल से बिना नंबर के ही चलवा रहा है। उक्त वाहन प्राइवेट पासिंग होकर टैक्सी में संचालित की जा रही थी, जिसमें उत्तर प्रदेश से आया परिवार बैठा था। जिन्हें महेश्वर जाकर वापस एयरपोर्ट जाना था। सूबेदार अमित कुमार यादव द्वारा उक्त परिवार के लिए मात्र 15 मिनट में दूसरी टैक्सी बुलाकर महेश्वर रवाना किया गया।

पुलिस ने उस वाहन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें तुरंत दूसरी टैक्सी मुहैया कराने के लिए रस्तोगी परिवार ने पुलिस को धन्यवाद दिया। उपरोक्त कार को नंबर प्लेट न होना, रजिस्ट्रेशन शर्तों का उगंघन, आदेशों की अवज्ञा, वर्दीधारी पुलिस के रोकने पर न रुकना, खतरनाक ढंग से वाहन चालान सहित विभिन्न धाराओं में जब्त कर 6000 रुपए का कोर्ट चालान बनाया गया।

निर्माणाधीन भवनों का फ्रंट एरिया साफ रहे, सामग्री फैली हुई न रहे

निगम आयुक्त ने कहा, अवैध निर्माण किसी हालत में न हो

इंदौर। नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव ने रविवार को रीजनल पार्क, जानकी नगर, अग्रवाल नगर, भंवरकुआं, सपना संगीता रोड, नवलखा सहित विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माणाधीन भवनों का फ्रंट एरिया पूरी तरह क्लियर रहे और अवैध निर्माण किसी भी हालत में न हो।

भवन अधिकारी और निरीक्षक यह सुनिश्चित करें कि सड़क पर बिल्डिंग मटेरियल रखकर यातायात बाधित न किया जाए। निरीक्षण के दौरान अग्रवाल नगर में सड़क किनारे लगाई गई चद्दर हटाने और सपना संगीता रोड पर बनी अवैध दीवार तोड़ने के आदेश दिए गए। रीजनल पार्क में सफाई व्यवस्था असंतोषजनक मिलने पर दरोगा मंगल चौहान को फटकार लगाई गई। जानकी नगर उद्यान में केवल 9 इंच चौड़ी कुर्सी बनने पर नाराजगी जताते हुए इसकी चौड़ाई बढ़ाने के निर्देश दिए। पाथवे पर ब्लॉक व्यवस्थित करने को भी कहा गया। आयुक्त ने रहवासियों से उद्यान के रखरखाव हेतु समिति बनाकर उसे गोद लेने पर चर्चा की। इसके अलावा आईटी चौराहा जीटीएस का निरीक्षण कर कचरा प्रबंधन, गाड़ियों की क्षमता और ग्रीन वेस्ट निपटान की जानकारी ली तथा सुधार के निर्देश दिए।

हाई कोर्ट में दो दिन का एडवोकेसी स्किल्स डेवलपमेंट ट्रेनिंग कार्यक्रम

अधिवक्ताओं ने बचाव पक्ष के प्रस्तुतिकरण की तकनीक जानी

इंदौर। उच न्यायालय की खंडपीठ में 20 एवं 21 सितंबर को दो दिवसीय एडवोकेसी स्किल्स डेवलपमेंट प्रशिक्षण का आयोजन हुआ। न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा के निर्देशन एवं न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन एवं कार्यपालक अध्यक्ष मप्र राय विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश राय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एंड प्रोफेशनल डेवलपमेंट के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एंड प्रोफेशनल डेवलपमेंट के सदस्य सर्वोच न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता, प्रिया हिंगोरानी, डॉ अमन हिंगोरानी, राजीव कुमार विरमानी, संदीप नारायण, विनय सभरवाल, दिलीप मेहरा, सर्वेश चौधरी, जमशेद वे, रीमा भंडारी, मंजुलता गुप्ता द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित युवा अधिवक्ताओं को एडवोकेसी स्किल्स डेवलपमेंट के संबंध में प्रशिक्षण के

साथ प्रतिभागी अधिवक्ताओं को दो रोल (ए-अभियोजन/याचिकाकर्ता तथा बी-बचाव और प्रतिवादी) प्रदान किए

प्रतिभागियों को 10-10 के समूहों में बांटकर न्यायालय कक्षों में जाकर कोर्स मटेरियल के रूप में प्रतिभागियों को प्रदान किए राय बनाम मोंटी खन्ना व राज मल्होत्रा बनाम शिवानी मल्होत्रा के दो प्रकरण तथा उन दोनों प्रकरणों के माध्यम से केस एनालिसिस का तरीका, गवाह को हैंडल करना, अभियोजन पक्ष व बचाव पक्ष के गवाहों का मुख्य परीक्षण, प्रति परीक्षण, मौखिक तर्क, ड्राफ्टिंग स्किल्स डेवलपमेंट के तरीके बताये और उनका अभ्यास भी कराया।

मंडी सचिव नरेश परमार को भ्रष्टाचार के आरोप में हटाया

इंदौर। मंडी सचिव नरेश परमार पर भ्रष्टाचार की पोल खुलने के बाद आज सरकार ने सख्त कदम उठाते हुए उन्हें पद से हटाकर भोपाल मुख्यालय में प्रशासनिक आधार पर अस्थाई रूप से स्थानांतरित कर दिया।

मध्यप्रदेश राय कृषि विपणन बोर्ड के आदेश के अनुसार, परमार को समान पद एवं वेतनमान में नया कार्यस्थल आवंटित किया गया है और उन्हें तुरंत कार्यभार ग्रहण करने का निर्देश दिया गया है। इससे पहले,इंदौर मंडी में भ्रष्टाचार के आरोपों में पूर्व अधिकारी मानसिंह मुनिया को भी हटाया जा चुका है। अधिकारियों ने कहा है कि अब इस पद पर ऐसे अधिकारी की तैनाती जरूरी है जो पारदर्शिता और कुशल प्रशासन सुनिश्चित कर सके। सरकार ने इस कदम से स्पष्ट संदेश दिया है कि भ्रष्टाचार के मामलों में शून्य सहिष्णुता रहेगी। मंडी प्रशासन में सुधार, किसानों और व्यापारियों की सुविधा तथा विश्वसनीयता बनाए रखना प्राथमिकता होगी। प्रबंध संचालक द्वारा अनुमोदित इस आदेश के अनुसार,परमार नए पदस्थापना स्थल पर तुरंत अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे।

संपादकीय

क्या राजस्व घाटा बढ़ेगा?

मोदी सरकार और भाजपा देश में 22 सितंबर से जीएसटी छूट का भारी प्रचार कर रही हैं। गोया सरकार ने जनता जनार्दन पर भारी इनायत कर दी हो। सरकार यह बताने की कोशिश कर रही है कि इससे जनता की कितनी बचत होने वाली है इसी हो-हल्ले में कांग्रेस अब यह सवाल पूछ रही है कि अगर जीएसटी में कमी समय की मांग थी तो सरकार आठ साल तक भारी-भरकम जीएसटी लगाकर जनता को क्यों लूटती रही? हालांकि यह सवाल भी बेमानी इसलिए है, क्योंकि इस खेल में कांग्रेस शासित राज्य भी शामिल थे। उन्होंने कभी इस भारी जीएसटी न तो खुलकर विरोध किया और न ही यह कहा कि वो इसे अपने राज्यों में लागू नहीं होने देंगे। यह बात इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में इस बात का खास तौर जिक्र किया था कि जीएसटी में यह कमी सभी राज्यों की सहमति से की जा रही है। इसी के साथ यह अहम सवाल भी जुड़ा है कि क्या जीएसटी छूट से सरकार को कितनी राजस्व हानि होगी? होगी तो इसकी भरपाई कैसे होगी? नहीं हुई तो सरकार क्या कदम उठाएगी? जनता को लाभ देने का सरकार का आर्थिक-राजनीतिक निर्णय कहीं उसी पर भारी तो नहीं पड़ जाएगा? इन सवालों का उत्तर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की ताजा रिपोर्ट में खोजा जा सकता है। एसबीआई की इस शोध रिपोर्ट के अनुसार जीएसटी की दरों में कमी के बाद सरकार को जीएसटी से मिलने वाले राजस्व में कम से कम 3700 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ेगा। रिपोर्ट में जीएसटी में बदलावों के प्रभाव से आवश्यक वस्तुओं की कीमतों और महंगाई कम होने के बारे में भी टिप्पणी की गई है। सरकार के अनुमानों के मुताबिक जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने से सालाना आधार पर सरकार के खजाने में करीब 48 हजार करोड़ रुपये कम आएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, विकास और उपभोग में वृद्धि को देखते हुए, न्यूनतम राजस्व हानि 3 हजार 700 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। ऐसे में राजकोषीय घाटे पर इसका कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ने का अनुमान है। गौरतलब है कि जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में मौजूदा चार स्तरीय ढांचे को दो स्तरीय ढांचे में बदल दिया गया है। इसमें 18 प्रतिशत और पांच प्रतिशत की मानक दर और कुछ चुनिंदा वस्तुओं और सेवाओं पर 40 प्रतिशत की की विशेष दर शामिल है। हालांकि रिपोर्ट यह भी कहती है कि जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाने से लागत दक्षता में सार्थक सुधार होगा। इससे बैंकिंग क्षेत्र पर काफी हद तक सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाने से जीएसटी का औसत भार 2017 में लागू होने के समय के 14.4 प्रतिशत से घटकर 9.5 प्रतिशत हो गई है। जब जीएसटी लागू किया गया था, तब चार दरें थीं- पांच प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आवश्यक वस्तुओं (लगभग 295) पर जीएसटी की दर 12 प्रतिशत से घटकर पांच प्रतिशत या शून्य हो गई है। ऐसा होने से चालू वित्त वर्ष में इस श्रेणी में खुदरा महंगाई भी 25 आधार अंकों से 30 आधार अंकों तक घट सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, खुदरा महंगाई दर 2026-27 तक 65 आधार अंकों से 75 आधार अंकों के बीच सीमित रह सकती है। रहा सवाल जनता तक इन सुधारों का लाभ जल्द से जल्द पहुंचाने का तो सरकार ने कंपनियों पर चौतरफा दबाव बनाया हुआ है। कई वस्तुएं के दाम कम भी हुए हैं। यह सिलसिला कितने दिनों तक चलता है, यह देखने की बात है।

नजरिया

डॉ. संजीव कुमार
सामाजिक एवं राजनीतिक विशेषज्ञ

भूमि अधिकार कानून लाने का समय

आज शहरों, नगरों की गलियों में मनुष्य कीड़े की तरह रेंगते हुए फुटपाथ पर दिखाई देते है। हम कहते हैं कि गांव में बहुत सुकून और शांति है कभी गांव की दलित, वंचित बस्तियों में झांक कर देखिए लोगों के पास पैर फैलाने की भी जमीन नहीं हैं । एक अति सामान्य जीवन जीने के लिए कम से कम एक रसोई,एक शौचालय,एक अध्ययन कक्ष और एक विश्राम कक्ष तथा छोटा सा बरामदा तो होना ही चाहिए पर दुर्भाग्य कि हमारे देश में करोड़ों लोग इसके लिए भी सपना देखते-देखते मर जाते हैं। सोच के देखिए इन परिवार में जन्मे बच्चों की परवरिश करने में ऐसे परिवार को कितने मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। भूमि का क़ानूनी प्रक्रिया में भी बहुत बड़ा योगदान है मसलन जब कोई फौजदारी हो जाती है तब जमानत ए तौर पर यह बहुत कारगार होता है,कुछ लोग इसके ही दम पर ग्रामीण परिवेश में समाज में दबंगई करते रहते हैं।

दो वर्ष से लगातार चलती आ रही हिंसा, आगजनी हत्या बलात्कार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में मणिपुर का दौरा कर वहां शांति बनाए रखने की अपील की हैं और लोगों को भरोसा दिलाया कि अब सब कुछ ठीक हो जाएगा। इन दो सालों में मणिपुर में वह सब कुछ हुआ जो इतिहास में कभी भुला नहीं जाएगा। सड़कों पर जिंदा जलती लाशें, निर्वस्त्र घुमाई गई स्त्रियां, विस्थापन का दंश झेल रहे लोग, जिसका दर्द भूलने में कई पीढ़ियां लग जाएंगी। आखिर इस हिंसा के पीछे वजह क्या थी? छत्तीसगढ़ में एक साल से हजारों एकड़ में फैले हसदेव जंगल को व्यापार के नाम पर काटे जाने का सिलसिला अभी जारी है जिसका वहां के आदिवासी घोर विरोध कर रहे है। इधर बिहार में चुनाव है वहां भी हजारों एकड़ भूमि हड़पने का मामला सामना आ रहा है। कांग्रेस का कहना है कि सरकार ने अपने व्यापारी भाई गौतम अडानी को 1051 एकड़ जमीन एक रूपये की दर से पट्टे पर दे दी हैं। अगर यह सच है तो फिर आप मणिपुर की तरह एक और हिंसा के लिए तैयार रहिए। आज देश के वंचित वर्ग का बड़ा तबका भूमिहीन है उसके पास पैर फ़ैलाने के लिए भी जगह नही है और आप यू ही किसी को खैरात नहीं बाट सकते।

हम जानते हैं मैतेई समुदाय (राज्य की आबादी का लगभग 53 प्रतिशत) लंबे समय से अनुसूचित जनजाति का दर्जा मांग रहा था, ताकि उन्हें सरकारी नौकरियों, शिक्षा में आरक्षण और पहाड़ी क्षेत्रों में भूमि स्वामित्व का अधिकार मिल सके। वे दावा करते हैं कि 1949 में मणिपुर के भारत में विलय से पहले वे जनजाति ही थे। 14 अप्रैल 2023 को मणिपुर हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को मैतेई को अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल करने की 10 साल पुरानी सिफारिश को केंद्र सरकार के पास भेजने का निर्देश दिया। कुकी-जो और अन्य आदिवासी समुदायों (जैसे नागा) को डर था कि इससे उनके मौजूदा आरक्षण और पहाड़ी क्षेत्रों पर नियंत्रण कम हो जाएगा, क्योंकि मैतेई पहले से ही घाटी में आर्थिक रूप से मजबूत हैं। मणिपुर का केवल 10 प्रतिशत क्षेत्र (इम्फाल घाटी) मैतेई जातियों का है, जबकि 90 प्रतिशत पहाड़ी इलाके कुकी आदिवासियों के पास हैं। मैतेई भूमि कानूनों के कारण पहाड़ों में जमीन नहीं खरीद सकते, जिससे वे 'हाशिए पर' महसूस करते हैं। आदिवासी इसे मैतेई समाज का विस्तारवाद मानते हैं। तो असली बात जो निकल के आ रही है वह मामला है जमीन का जिसके लिए दो जातियां लड़ मर रही हैं।

आज उत्तर प्रदेश की आबादी देश में सबसे घनी आबादी है। 2011 की जनगणना गणना के अनुसार जहां देश में प्रति वर्ग किलोमीटर 382 व्यक्ति थे वही उत्तर प्रदेश में प्रति वर्ग किलोमीटर 829 थे। हालांकि यह एक दशक पुराना आंकड़ा है तो आप समझ सकते हैं कि

आज स्थिति कितनी विकराल है। उत्तर प्रदेश की गरीब बस्तियों में कभी झांककर देखिए आठ गुणे आठ के कमरे में पूरा परिवार जी रहा है। यह स्थिति तब है जब 1958 में उत्तर प्रदेश में चकबंदी कानून के तहत अनुसूचित जातियों को कुछ जमीने मुहैया कराई गई थी। देश में हर वर्ष जितनी हिंसक घटनाएं होती हैं उनमें 25प्रतिशत भूमि विवादों से जुड़े मामले होते हैं, जिनमें से 30प्रतिशत भूमि अधिग्रहण से संबंधित हैं। एक भूमि विवाद का समाधान होने में औसतन 20 वर्ष लग जाते है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार उत्तर प्रदेश में 2017-2021 के बीच 3,021 हत्याएं भूमि और संपत्ति विवादों के कारण हुईं हैं। इस दौरान बिहार में 3,336 मामले दर्ज हुए और यह पूरे देश में भूमि विवादों से जुड़े अपराधों में शीर्ष पर है।

आज शहरों, नगरों की गलियों में मनुष्य कीड़े की तरह रेंगते हुए फुटपाथ पर दिखाई देते है। हम कहते हैं की गांव में बहुत सुकून और शांति है कभी गांव की दलित, वंचित बस्तियों में झांक कर देखिए लोगों के पास पैर फैलाने की भी जमीन नहीं हैं। एक अति सामान्य जीवन जीने के लिए कम से कम एक रसोई,एक शौचालय, एक अध्ययन कक्ष और एक विश्राम कक्ष तथा छोटा सा बरामदा तो होना ही चाहिए पर दुर्भाग्य कि हमारे देश में करोड़ों लोग इसके लिए भी सपना देखते-देखते मर जाते है। सोच के देखिए इन परिवार में जन्मे बच्चों की परवरिश करने में ऐसे परिवार को कितने मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। भूमि का क़ानूनी प्रक्रिया में भी बहुत बड़ा योगदान है मसलन जब कोई फौजदारी हो जाती है तब जमानत ए तौर पर यह बहुत कारगार होता है,कुछ लोग इसके ही दम पर ग्रामीण परिवेश में समाज में दबंगई करते रहते है।

हमने यह कैसा समाज बनाया है कहीं एक आदमी एक एकड़ में अकेले टांग फैलाए हुए हैं तो कहीं पूरा का पूरा परिवार पशुओं के जैसे दरबों में जी रहा है। मुंबई का धारावी झुग्गी भारतीय समाज का सबसे घिनौना सच हैं। हमने लोगों का पेट भरने के लिए भोजन का अधिकार बनाया (राइट टू फूड) हर बच्चे को शिक्षित बनाने के लिए शिक्षा का अधिकार बनाया (राइट टू एजुकेशन) और लोकतंत्र की रक्षा के लिए सूचना के अधिकार का कानून भी बनाया है (राइट टू इन्फर्मेशन) अत: अब समय की मांग है की सरकार भूमि के अधिकार (राइट टू लैंड) का भी कानून बनाए। मई 2024 में जनसत्ता में एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी जिसके अनुसार देश का लगभग 90 प्रतिशत सम्पत्ति (भूमि जिसमे महत्वपूर्ण हिस्सा है) 10 प्रतिशत लोगो के पास है। इसका अर्थ यह हुआ कि 90 रोटी दस लोग खा रहे है और 90 लोग दस रोटी पर निर्भर है। यूनिसेफ के अनुसार भारत में आज प्रतिदिन लगभग 67385 बच्चे जन्म ले रहे है। आखिर इन आने वाले बच्चों के भविष्य के लिए हमारे पास क्या योजनाएं हैं? सांसारिक सत्य ये है कि हमारी भूमि तो बढ़ने वाली है नहीं और मनुष्य को सुकून से सोने के लिए कुछ फिट जमीन तो चाहिए ही अगर हमारी व्यवस्था यह सुनिश्चित नहीं कर सकती तो इसका दुर्गामी परिणाम हमें भुगतना होगा।

इसलिए अब समय आ गया है कि सरकार यह तय करें की कितनी जमीन पर सड़के होंगी, कितनी जमीन पर तालाब होंगे, कितनी जमीन के लिए जंगल पार्क होंगे, कितनी जमीन के लिए नदियां-नाले होंगे और कितनी जमीन मनुष्य के आवास के लिए होंगी तथा कितनी जमीन उनकी खेती- किसानी के लिए होगी और कितनी जमीन स्वास्थ्य एवं खेलकूद के लिए होंगी।

कहाँ हमें उद्योग लगाना चाहिए कहाँ ,कालोनी बनेगी सब कुछ तय करना होगा। क्योंकि अगर आज इस विषय पर हमने विचार नहीं किया तो हमारी बढ़ती आबादी को कोई रोक नहीं सकता और जमीन किसी भी सुरत में बढ़ने वाली नहीं है। इसलिए बेहतर होगी सब कुछ तय किया जाए और मनुष्य को एक सामान्य जीवनयापन के लिए उसके हिस्से की भूमि उसे देने की व्यवस्था हो तभी रोटी कपडा और मकान का हमारा नारा सफल हो पाएगा अन्यथा बढ़ती आबादी के साथ बढ़ती हुई हिंसा को कोई भी सरकार और कोई भी व्यवस्था रोक नहीं पाएगी ।

एआई का भविष्य

डॉ. प्रदीप लक्षकार
डीन, आईटीएम एसएलएस बरोड़ा यूनिवर्सिटी

पहले खुद हल निकालें फिर एआई से पूछें

मानव सभ्यता की प्रगति का सबसे बड़ा आधार उसकी बुद्धि रही है। सोचने-समझने की शक्ति और जटिल समस्याओं का समाधान खोजने की क्षमता ही इंसान को अन्य प्रजातियों से अलग बनाती है। यही कारण है कि इंसान ने समय-समय पर ऐसे उपकरण और तकनीक विकसित किए, जिनसे जीवन आसान होता गया। पहिये की खोज से लेकर बिजली, टेलीफोन और कंप्यूटर तक, हर आविष्कार ने इंसान की क्षमताओं को नई दिशा दी। आज इसी श्रृंखला का सबसे चर्चित अध्याय है- कृत्रिम बुद्धिमत्ता या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)। यह तकनीक हमारे जीवन का ऐसा हिस्सा बन गई है कि अब इसके बिना आधुनिक जीवन की कल्पना करना कठिन हो गया है।

मानव मस्तिष्क को प्रकृति का सबसे अद्भुत चमत्कार माना जाता है। इसमें अरबों नयूरॉन्स होते हैं, जो आपस में जुड़कर नेटवर्क बनाते हैं। जब भी हम कुछ नया सीखते हैं, कोई किताब पढ़ते हैं, कोई अनुभव करते हैं या किसी समस्या को हल करते हैं, तो नयूरॉन्स के बीच नए संबंध बनते हैं। जितना अधिक अभ्यास करते हैं, ये संबंध उतने ही मजबूत होते जाते हैं। यही प्रक्रिया हमें बेहतर समझ, गहरी जानकारी और रचनात्मक सोच प्रदान करती है। कहा जा सकता है कि इंसान की पूरी बुद्धिमत्ता उसके नयूरॉन्स के नेटवर्क पर आधारित होती है।

वैज्ञानिकों ने इसी सिद्धांत से प्रेरणा लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का निर्माण किया। आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क का विचार मानव मस्तिष्क से ही आया। जिस तरह नयूरॉन्स मिलकर सीखते हैं और अनुभवों से मजबूत होते हैं, वैसे ही कृत्रिम नयूरॉन्स आपस में जुड़कर पैटर्न को पहचानना और निष्कर्ष निकालना सीखते हैं। फर्क केवल इतना है कि इंसान को वर्षों तक मेहनत करनी पड़ती है, जबकि एआई कुछ ही हफ्तों या महीनों में लाखों डेटा से सीखकर परिणाम देने लगता है। यही कारण है कि आज भाषा अनुवाद से लेकर रोग निदान तक, एआई कई क्षेत्रों में इंसान से तेज़ और सटीक साबित हो रहा है।

यह तकनीक हमारे जीवन को सुविधाजनक बना रही है। आज हम मोबाइल पर वॉइस असिस्टेंट से बातचीत करते हैं, चैटबॉट से सलाह लेते हैं, या फिर कुछ ही सेकंड में इंटरनेट पर जटिल सवालों का जवाब पा लेते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, कृषि और मनोरंजन-हर क्षेत्र में एआई ने अपना दखल बना लिया है। वह काम, जो पहले घंटों या दिनों में होता था, अब मिनटों और सेकंडों में संभव हो रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि एआई ने हमें एक ऐसा सहायक दिमाग दे दिया है, जिसके लिए पहले इंसान को वर्षों तक मेहनत करनी पड़ती थी।

लेकिन इसी सुविधा के साथ एक बड़ा खतरा भी छिपा है। इंसान धीरे-धीरे अपनी प्राकृतिक क्षमताओं का उपयोग कम करता जा रहा है। जब हर सवाल का जवाब तुरंत एआई से मिल सकता है, तो लोग खुद सोचने और दिमाग पर जोर डालने से बचने लगते हैं। समस्या-समाधान और विश्लेषण की आदत कमजोर पड़ने लगती है। यदि यही प्रवृत्ति जारी रही, तो एक दिन ऐसा आएगा जब इंसान अपने नयूरॉन्स के नए संबंध बनाना ही बंद कर देगा। नतीजा यह होगा कि उसकी स्वतंत्र सोचने की क्षमता धीरे-धीरे कम हो जाएगी और वह हर छोटे-बड़े निर्णय के लिए मशीन पर निर्भर हो जाएगा।

कल्पना कीजिए कि जब जीवन के अहम फैसले भी इंसान खुद न लेकर मशीन के भरोसे छोड़ देगा, तो उसकी स्थिति क्या होगी? धीरे-धीरे इंसान तकनीक का मालिक न रहकर उसका गुलाम बन जाएगा। इतिहास गवाह है कि हर बड़ी खोज ने इंसान को शक्ति तो दी है, लेकिन उस पर पूरी तरह निर्भर होने से समाज कमजोर भी हुआ है। आज यदि हम एआई पर आँख मूँदकर विश्वास करेंगे, तो आने वाले समय में हमारी बौद्धिक स्वतंत्रता खतरे में पड़ सकती है।

इस स्थिति से बचने का रास्ता यही है कि हम संतुलन बनाएँ। एआई का उपयोग करें, लेकिन उसे केवल सहायक की भूमिका में रखें। हमें यह समझना होगा कि एआई हमारी सोचने की क्षमता को समाप्त करने के लिए नहीं, बल्कि उसे सहयोग देने के लिए बना है। इंसान को चाहिए कि वह हर दिन अपने दिमाग को सक्रिय रखने के प्रयास करे। किताबें पढ़े, नई चीजें सीखे, समस्याएँ हल करे और रचनात्मक गतिविधियों में हिस्सा ले। सीखने और समझने की प्रक्रिया को सक्रिय रखना जरूरी है, ताकि हमारे नयूरॉन्स नए संबंध बनाते रहें और मस्तिष्क मजबूत होता रहे। संतुलन बनाए रखने का एक तरीका यह भी है कि किसी समस्या का हल पहले खुद निकालने की कोशिश करें और उसके बाद एआई से उसकी तुलना करें। इससे आलोचनात्मक सोच भी विकसित होगी और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। इसी तरह नई भाषाएँ सीखना, लेखन करना, संगीत, खेल और गणित जैसी गतिविधियों में भाग लेना मस्तिष्क को प्रशिक्षित करता है। मानसिक व्यायाम के साथ शारीरिक व्यायाम और ध्यान जैसी आदतें भी दिमाग को सक्रिय रखने में सहायक होती हैं।

यह भी याद रखना चाहिए कि एआई उतना ही अच्छा है, जितना डेटा हम उसे देते हैं। इसलिए उसकी दी हुई जानकारी को आँख मूँदकर स्वीकार करना समझदारी नहीं है। यदि हम हर उत्तर को आलोचनात्मक दृष्टि से देखेंगे और उसका मूल्यांकन करेंगे, तो हम खुद को निष्क्रिय नहीं बल्कि और अधिक सक्रिय बना पाएँगे। तकनीक का विकास तभी सार्थक है जब वह इंसान की बौद्धिक और मानवीय क्षमता को और मजबूत बनाए, न कि उसे कमजोर करे।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव सभ्यता की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। यह आने वाले समय में शिक्षा, चिकित्सा और उद्योग को और अधिक विकसित करेगी। लेकिन यह तभी संभव है जब इंसान अपनी असली ताकत, यानी अपने मस्तिष्क की शक्ति को बनाए रखे। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि मशीनें हमारी खोज हैं, और उनका स्थान सहायक का होना चाहिए, मालिक का नहीं।

निष्कर्ष यही है कि हमें एआई का विवेकपूर्ण उपयोग करना चाहिए। यह हमारे जीवन को बेहतर बनाने का साधन है, परंतु यदि हम उस पर पूरी तरह निर्भर हो गए तो हमारी स्वतंत्र सोचने की क्षमता खतरे में पड़ जाएगी। भविष्य का सही रास्ता वही होगा जिसमें इंसान और मशीन दोनों मिलकर काम करें, लेकिन इंसान का मस्तिष्क हमेशा केंद्र में रहे। तकनीक से सुविधा प्राप्त करें, परंतु अपने मस्तिष्क को रोज़ाना प्रशिक्षित करना न भूलें, क्योंकि वही हमारी असली सुरक्षा और प्रगति की गारंटी है।

हर हाल में खुश

कटाक्ष

विवेक रंजन श्रीवास्तव
लेखक व्यंग्यकार हैं।

समोसा किसी भी तरह गिरे, उसकी एक सतह जमीन पर होती है। इसी सिद्धांत पर पुराने समय में युद्धों में लोहे की समोसे सी तिकोने वाली ढेर सारी कीले, पैदल सेना के मार्ग में फैला दी जाती थी, और सेना को रोक कर मारा जाता था।

भारतीय मीडिया का दृष्टिकोण भी समोसे सा है। घटना कैसी भी हो अंत सिर्फ एक ही निष्कर्ष पर होता है कि इससे भारत को फायदा होगा। हमें हर हाल में खुश रहना आता है।

अमेरिका भारत पर टैरिफ बढ़ाए तो आत्मनिर्भरता , स्वदेशी का पाठ पढ़ाकर फायदा गिनाया जाता है। टैरिफ घटाए तो निर्यात ज्यादा होगा बताकर हम प्रसन्न हो लेते हैं। वीजा फीस बढ़े तो हम खुश होते हैं कि चलो देश से ब्रेन ड्रेन रुकेगा । वीजा सरल किया जाए तो फायदा समझाया जाता की हमारे युवा अमेरिका में नौकरियां पाएंगे। रूस से कच्चा तेल खरीदने पर हम इकानामी को फायदा बताते हैं। न खरीदने पर अमेरिका से बेहतर राजनीतिक सम्बन्ध का फायदा बताते हुए संतुष्ट होते हैं। यानी हर हाल में फायदा गणित का विकल्प नहीं बल्कि हमारा संतोष धर्म है।

जो पाए संतोष धन सब धन धूरि समान ।

ये पाठ पढ़ाते मीडिया वाले ठीक उसी दादी माँ की तरह हैं जो हर स्थिति में मॉरल आफ स्टोरी निकाल देती थीं। बच्चा गिरकर रोए तो फायदा कि मजबूत बनेगा। बच्चा न गिरे तो फायदा कि संस्कार अच्छे हैं। बच्चा पढ़ाई करे तो फायदा कि डॉक्टर इंजीनियर बनेगा। बच्चा पढ़ाई न करे तो फायदा कि नेता बनेगा। मतलब हर हाल में लाभ ढूंढ लेना हमारे डी एन ए में ही है। ये सब कुछ वैसा ही है कि शादी हो जाए तो फायदा कि घर बस गया। न हो तो फायदा कि पत्नी की रोज की खटखट से बच गए। मीडिया के इस एनालिसिस से असल फायदा होता किसे है यह कोई नहीं जानता । जनता फायदा ढूंढती रह जाती है, नेता भीड़ से फायदा ढूंढते हैं और चैनल टी आर पी में फायदा ढूंढते हैं।

बहर हाल जीएसटी घटा तो है देखें आम आदमी को फायदा कब होता है ।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. महेन्द्र अग्रवाल
लेखक व्यंग्यकार है

केशव केसन असि करी

केशव केसन असि करी जस अरिहूं न कराय/चंद्रवदनि मृगलोचनी बाबा कहि कहि जाय। महाकवि केशवदास का यह दोहा याद आते ही वह बिम्ब सजीव हो उठता है, जब चन्द्रमा के समान गौरवर्ण चेहरे, हिरणी जैसे नेत्रों वाली, सुंदर स्त्री ने महाकवि केशवदास को बाबा कहा। प्रश्न यह है कि केशवदास के श्वेत केशों को देखकर वह कोमलांगी बाबा कह सम्मान कर रही थी अथवा जीवन और जगत के प्रति मोह छोड़कर वैराग्य धारण करने वाला साधु समझ कह रही थी या श्वेतकेश धारी व्यक्ति से व्यंग्य विनोद में अठखेलियां करते हुए उपहास कर रही थी? इनमें से कवि कौन सी मन:स्थिति से गुज़र रहे थे ? या फिर वह वास्तविक केशव, श्रीकृष्ण की भूमिका में उन्हें सखी भाव से देख अपने नेत्रों को शीतलता प्रदान कर रहे थे और बाबा कहे जाने पर छाती पीट कर मातम मनाने लगे ?

उन्हें शायद यह उम्मीद रही होगी कि वह महाकवि जानकर उनके साथ अनुराग पूर्ण व्यवहार करेगी किन्तु उसके मुख से बाबा शब्द सुनते ही वह चेतना का दामन छोड़ बैठे व नैराश्य भाव' से भर उठे? तत्क्षण उन्हें अपनी उम्र और सफर की दुश्वारियों से बदली हुई बदहाल अवस्था का बोध हुआ।वह गंभीरता से सोचने की स्थिति में आते, इससे पहले उन्होंने अपने श्वेत केशों को उत्तरदायी ठहरा दिया। उन्हें लगा कि श्वेत केशों के कारण ही बालायें उनका उपहास कर रही हैं।महाकवि को बालाओं को अपनी पुत्री अथवा पुत्र वधु के रूप में स्वीकारने में क्यों संकोच था? केशवदास की पीड़ा दोहे में जिस ढंग से मुखरित हुई है वह केशवदास की संवेदनशीलता और रसिक मिज़ाजी का संभावित प्रमाण है।

श्वेत केश शनि महाराज से भी अधिक अनिष्टकारी होते हैं। राजा दशरथ ने कनपटी के पास उग जाये श्वेत केश क्या देख लिये, पूरी रामायण की रचना करवा दी। व्यंग्य के शीर्षपुरुष हरिशंकर परसाई ने तो बाकायदा 'पहिला सफेद बाल' नाम से व्यंग्य ही लिख डाला।केशव की मूल पीड़ा पर गौर करें तो पाएंगे कि वह नवयौवनाएं उन्हें बाबा कह पिता की उम्र का मान रही हैं किंतु केशवदास यह सम्मान पाकर खुश नहीं हैं। उनके कलेजे पर छुरियां चल रही हैं। ऐसे संबोधनों से छाती पर कई मन वजनी घनों की चोट पड़ रही है।

उन विरल क्षणों में महाकवि केशवदास को जो गहन अनुभूति हुई या आत्मज्ञान प्राप्त हुआ,वैसा ही मुझे हर माह होता रहता है। मैं जिस दिन सेलून से बाल कटवा कर आता हूं उस दिन घर आकर बाल काले करता हूँ। यह रंग महीने भर मेरा साथ नहीं देता, इसे स्वीकारने में मुझे कोई शर्म,या झिझक नहीं है। बीस इक्कीस दिन बाद असलियत उजागर होने लगती है। इन दिनों मेरी अपनी पत्नी भी मेरे साथ निकलने में संकोच करती है।ये अलग बात है कि उसे भी अपने बालों के रंग का पता है और रंगने के बाद भी उसके बाल उसके चेहरे से मेल नहीं खाते, यह बात भी उसकी जानकारी में है।

प्राचीनकाल में ऐसा नहीं कि रंगों का आविष्कार नहीं हुआ था ,या विशेषज्ञ रंगरेज़ों का अभाव था। अजंता एलोरा की गुफाओं में हजार-ग्यारह सौ वर्ष पुराने चित्रों के रंग अभी भी ताज़ा हैं। उस समय भवनों पर भी रंगाई पुताई होती थी। कपड़े रंगे जाते थे ,स्त्रियां काजल से लेकर महावर तक लगाती थीं। रंगोली भी प्रचलन में थी ही किंतु पुरुष एक उम्र के बाद श्वेत केशधारी रूप में ही सामने आते थे। कारण क्या है? केशों के रंगने के लिए तत्कालीन ऋषि रुपी वैज्ञानिकों ने किसी रंग का आविष्कार क्यों नहीं किया? कोई अनुसंधान क्यों नहीं हुआ? क्या उस समय लोग जवान दिखने की चाहत नहीं रखते थे? या उन्हें श्वेत केश होने पर समाज में विशेष सम्मान मिलता था ?या कि उस समय की स्त्रियां श्वेत केशधारी को अनुभवों की संपन्नता के आधार पर विशेष वरीयता प्रदान करती थीं? आयुर्वेदिक ग्रंथों में काले केश करने के लिए अलबत्ता मेंहदी के प्रयोग का अवश्य उल्लेख है।

अब तो अनेक रंग डाई जेल शैम्पू बाजार में आ गए जो दस मिनट में बालों को काला कर बूढ़ों को जवान बना देते हैं किंतु प्राचीन काल में केस रंगने के लिए किसी रंग की खोज क्यों न हुई? केशव के समय यदि हेयर डाई का आविष्कार हो गया होता तो हिन्दी साहित्य इस खूबसूरत दोहे के आविष्कार से वंचित हो जाता। अब शोध का विषय यह है कि केश रंगने की परंपरा कहां से और किसके द्वारा शुरू हुई? मैं भी शोधरत हूं और आप भी अपने स्तर पर प्रयास करते रहें। मेरी शुभकामनायें आपके साथ हैं।कामनायें तो वैसे सभी की बस इतनी हैं कि कल कोई हमसे बाबा न कह जाये।

नवरात्रि

खुमानसिंह चुंडावत

आत्मिक साधना का महापर्व

नवरात्रि की नौ दिवसीय साधना परंपरागत रूप से देवी की आराधना तो है ही, साथ ही यह हमारे आंतरिक चक्रों की साधना भी है। इससे न केवल आत्मिक विकास होता है, बल्कि जीवन में संतुलन, शांति और दिव्यता का विस्तार होता है।

शक्ति की आराधना का महापर्व नवरात्रि केवल बाह्य पूजा-अर्चना का अवसर नहीं है, बल्कि हमारे भीतर निहित प्राणशक्ति के जागरण का पर्व है। यह आत्मिक शक्ति के आरोहण की साधना है, जिसमें देवी के नौ रूपों की आराधना के माध्यम से हम आत्मशुद्धि करते हुए अपने जीवन को सकारात्मक ऊर्जा से भरते हैं और अपने सर्वोच्च स्वरूप-सत्व-में स्थापित होते हैं। नवरात्रि के नौ दिनों की साधना वस्तुत: हमारे भीतर व्याप्त तमस, रजस और सत्व-इन तीन गुणों के संतुलन की प्रक्रिया है। संतुलन की इसी प्रक्रिया को धार्मिक भाषा में तप या तपस्या कहा गया है। प्रथम, द्वितीय और तृतीय दिन देवी माँ के जिन रूपों की पूजा की जाती है वो तमस से जुड़े हैं। यह अंधकार, आलस्य और अज्ञान पर विजय पाने का प्रतीक है।

चतुर्थ, पंचम और षष्ठम दिन रजस से संबंधित माने जाते हैं। ये कर्म, ऊर्जा और गति के प्रतीक हैं, जहाँ साधक अपने उत्साह को संतुलित करना सीखता है। सप्तम, अष्टम और नवम दिन सत्व में स्थापित होने का अवसर प्रदान करते हैं। यही वह अवस्था है जिसमें साधक अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानते हुए आत्मज्ञान की ओर अग्रसर होता है।

नवरात्रि केवल एक धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि हमारे भीतर की सुप्त शक्तियों को जागृत करने का अवसर भी है। देवी के नौ रूपों की साधना वस्तुत: आत्मिक यात्रा है, जिसमें मानव के सातों चक्र क्रमश: शुद्ध , सक्रिय और प्रबुद्ध होते हैं।

पहला दिन -माँ शैलपुत्री

माँ शैलपुत्री हिमालय की पुत्री और पर्वतराज की शक्ति हैं। इनकी पूजा से मूलाधार चक्र जागृत होता है। यह चक्र पृथ्वी तत्व से जुड़ा हुआ है, इसीलिए इसका प्रतीक चट्टान या हिमालय को माना गया है । माँ शैलपुत्री की साधना द्वारा हम जड़ता से मुक्त होकर उत्साह और गतिशीलता की ओर अग्रसर होते हैं।

दूसरा दिन - माँ ब्रह्मचारिणी

यह तप और ब्रह्मचर्य की देवी हैं। स्वाधिष्ठान चक्र से इनका संबंध माना गया है। स्वाधिष्ठान चक्र ज़ल तत्व से संबंधित है , जो चंचल भी है और शुद्धता का प्रतीक भी ब्रह्मचारिणी की पूजा से क्रियाशीलता और संयम का विकास होता है।

तीसरा दिन - माँ चंद्रघंटा

माँ चंद्रघंटा की साधना से मणिपूर चक्र सक्रिय होता है। मणिपुर चक्र अग्नी तत्व से संबंधित है मां चंद्र घंटा की साधना द्वारा हमें शांति, तृप्ति और उदारता प्रदान करता है। वास्तव में, जीवन के अधिकांश सांसारिक और भावनात्मक विकार इन तीन निचले चक्रों से जुड़े होते हैं। यदि इन्हें संतुलित कर लिया जाए तो आधी से अधिक समस्याएँ और विकार स्वत: समाप्त हो जाते हैं।

चौथा दिन - माँ कूष्माण्डा

माँ कूष्माण्डा को सुख, आनंद और स्नेह की देवी माना गया है। इनकी साधना अनाहद चक्र को जाग्रत करती है, अनाहद चक्र वायु तत्व से संबंधित है जो सर्व स्पर्शी होकर हृदय में प्रेम, आनंद और सकारात्मकता का प्रवाह संचारित करता है ।

पाँचवाँ दिन - माँ स्कंदमाता

माँ स्कंदमाता की पूजा विशुद्धि चक्र की साधना है। विशुद्धी चक्र आकाश तत्व से संबंधित है। यह साधना

भावनाओं को संतुलित करती है और करुणा, दया तथा सहानुभूति जैसे गुणों का विकास करती है।

छठा दिन - माँ कात्यायनी

यह देवी आज्ञा चक्र की अधिष्ठात्री हैं। आज्ञा चक्र विवेक और ज्ञान का केंद्र है । माँ कात्यायनी की आराधना से साधक भय, शोक और संताप से मुक्त होकर जीवन के वास्तविक ज्ञान का अनुभव करता है। इन तीनों (चौथा, पाँचवाँ और छठा दिन) की साधना राजस गुण के संतुलन हेतु मानी जाती है। इससे साधक अपनी अधीरता और अस्थिरता को त्यागकर संतुलन प्राप्त करता है।

सातवाँ दिन - माँ कालरात्रि

माँ कालरात्रि की साधना आज्ञा चक्र को सक्रिय कर त्रिनेत्र की जागृति या जीवन के वास्तविक ज्ञान का अनुभव कराती है। माँ कात्यायनी की साधना हमें गहन सकारात्मकता और आत्मबोध की ओर ले जाती है।

आठवाँ दिन - माँ महागौरी

महागौरी की पूजा से सहस्रार चक्र या ब्रह्मरंध्र जागृत होता है। इस चक्र पर कोई नकारात्मकता नहीं होती केवल आनंद होता है यहाँ साधक पूर्ण आनंद, शांति और निर्मलता, एकात्म का अनुभव करता है।

नवाँ दिन - माँ सिद्धिदात्री

नवरात्रि का अंतिम दिन माँ सिद्धिदात्री की पूजा के लिए समर्पित है। ये सभी सिद्धियों और नव-निधियों की दात्री हैं। इस अवस्था में साधक सत्व में स्थापित होकर भौतिक और आध्यात्मिक दोनों प्रकार की शक्तियाँ प्राप्त करने योग्य हो जाता है। नवरात्रि की नौ दिवसीय साधना परंपरागत रूप से देवी की आराधना तो है ही, साथ ही यह हमारे आंतरिक चक्रों की साधना भी है। इससे न केवल आत्मिक विकास होता है, बल्कि जीवन में संतुलन, शांति और दिव्यता का विस्तार होता है।

सेहत

तृप्ति कठैत

लेखिका एक्सप्रेसिव आर्ट्स थेरेपी प्रैक्टिशनर हैं।

जरूरी है मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सचेत होना

कुछ लोगों का मानना यह भी होता है कि मानसिक स्वास्थ्य आज के समय के चोंचले है। पहले तो ऐसा कुछ नहीं होता था परंतु ऐसा नहीं है मानसिक स्वस्थ्य के मुद्दे पहले भी उतने ही थे लेकिन फर्क सिर्फ इतना था कि उस समय परिवार बड़े होते थे, पड़ोसियों और रिश्तेदारों के साथ गहरा जुड़ाव होता था और सामूहिकता जीवन का स्वाभाविक हिस्सा था। लोग मुश्किल समय में एक-दूसरे का सहारा बनते थे और बातचीत, मेल-जोल से कई समस्याएँ हल्की पड़ जाती थीं। लेकिन वहीं आज के दौर में जीवनशैली तेज़ और अधिक व्यक्तिगत हो गई है। लोग अपने काम और निजी लक्ष्यों में व्यस्त रहते हैं, जिससे अकेलापन बढ़ता जा रहा है। यही अकेलापन मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के उभरने और बढ़ने का एक प्रमुख कारण बन जाता है।

हर वर्ष स्कूल की व्यवस्था, कोचिंग सेंटर और प्रतियोगिता की तैयारी के लिए आने वाले छात्रों की सिर्फ संख्या ही नहीं बढ़ती जा रही है बल्कि उन पर सफ़ल होने का कभी कहा कभी अनकहा दबाव भी बढ़ रहा है। छोटे-छोटे क़स्बों से निकलकर बड़े शहरों का रुख करने वाले इन छात्रों पर अभिभावक न सिर्फ अपनी खून पसीने की कमाई लगाते हैं बल्कि बहुत सारी उम्मीदों और सपनों का बोझ भी बच्चों को देकर कोचिंग और परीक्षाओं की तैयारी के लिए लिए भेजते हैं। नौकरी पाने के लिए इस शिक्षा की दौड़ में जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू पीछे रह जाता है या छूट जाता है वह है बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य।

जितनी तेजी से परीक्षा में अपने आप को सबसे आगे साबित करने की दौड़ बढ़ती जा रही है उतनी ही तेजी से दबाव भी बढ़ता ही जा रहा है। यह दवाब न केवल बच्चों पर होता है बल्कि बच्चों के अभिभावकों पर भी होता है। आज एक छोटा बच्चा भी सुबह से लेकर देर रात तक अपनी पढ़ाई, परीक्षा, असाइनमेंट और कोचिंग आदि में इतना उलझा रहता है कि उसे बचपन को महसूस करने का समय भी नहीं मिल पाता।

माता पिता, विद्यालय, आस-पास और खुद से उम्मीदों का पहाड़ इतना बढ़ जाता है कि इन सब में सबसे आगे निकलने की होड़ में बच्चे मानसिक रूप से इतने थक जाते हैं कि उन्हें अपनी रुचि, इच्छा और मौलिकता का एहसास ही नहीं हो पाता। लगातार परिवेशीय दबाव को पूरा करने में लगा रहता है। नतीजा यह होता है कि बच्चे गहरी चिंता और अवसाद से जूझ रहे होते हैं। यह महत्वपूर्ण कड़ी या ध्यान दिये जाने वाली बात किसी को दिखती ही नहीं है। या दिखती है तब जब कोई उदास करने वाली ख़बर सामने आती है।

हर साल जब परीक्षाओं के परिणाम आते है तो नए रिकॉर्ड बनते हैं, लेकिन साथ में उतनी ही ज्यादा संख्या में आत्महत्या की दर बढ़ती जाती है और बच्चों मे निराशा, बेचैनी और गहराती जाती है। ये सब हमें सोचने पर मजबूर करती है कि क्या परीक्षाओं मे पास होना ही जीवन है, परीक्षाओं मे दूसरों को पछाड़ना ही जीवन का मकसद है?

आज चिंता की बात यह है कि शिक्षा और शिक्षा संस्थानों को एक ब्रांड की तरह देखा जाता है और परीक्षाओं में दूसरों को पछाड़ने वालों को परिवार जन भी अपने स्टेटस के रूप मे देखने लग जाते हैं। लेकिन इन सबके साथ बढ़ते मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे और भी गहराते जा रहे हैं।

इनके गहराने के पीछे तीन कारण प्रमुख रूप से समझ आते हैं। एक, हमारे समाज में मानसिक स्वास्थ्य को एक मुद्दे के रूप में नहीं देखा जाता है और न ही स्वीकारा जाता है। दूसरा, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को पहले तो नोटिस ही नहीं किया जाता और अगर किया भी गया तो पीड़ित के intention (मंतव्य) पर संदेह करके देखते हैं। तीसरा, मानसिक समस्याओं और मानसिक मुद्दों की स्वीकार्यता न होने के कारण मानसिक समस्याओं से जूझ रहे लोगों को समाज मे अच्छी निगाह से नहीं देखा जाता है जिससे लोग इन मुद्दों पर बात करना भी पसंद नहीं करते हैं या कहें लोग बात करने से बचते हैं। जो लोग हिम्मत करके मनोचिकित्सक के पास जाते हैं उन्हें अलग प्रकार के बीमार लोगों की नज़र से देखा जाता है, और समस्या को समाधान की जगह दबाया जाता है जिससे समस्या और भी बढ़ जाती है।

समाज में स्वीकार्यता न होने, इन पर बातचीत न होने के कारण इसकी डिमांड भी नहीं होती है नतीजतन इन समस्याओं के समाधान के लिए व्यवस्थाएं और सुविधाओं का अभाव है जो इस मुद्दे की गंभीरता को और भी बढ़ा देता है।

आज समय की सबसे बड़ी जरूरत यह है कि शिक्षा को केवल नौकरी पाने के औज़ार के रूप में न देखा जाय बल्कि बच्चे के सम्पूर्ण विकास के लिए माध्यम के रूप में देखा जाय। शिक्षा के ढांचे में मानसिक स्वास्थ्य को भी उतना ही महत्व दिया जाय जितना कि दूसरे विषयों को। अलबत्ता होना तो यही चाहिए था कि सभी विषयों को पढ़ाने वाले शिक्षक इन मुद्दों के प्रति संवेदनशील होते और समझ पाते। लेकिन ऐसा होना व्यवहारिक रूप से संभव नहीं हो पाएगा इसलिए जरूरी है कि शिक्षण संस्थानों मे एक प्रशिक्षित काउंसलर नियुक्त किए जाय जो विद्यालय में बच्चों के लिए एक सुरक्षित और भरोसेमंद स्थान तैयार करता है जहाँ वे बिना किसी डर या झिझक के अपनी भावनाएँ साझा कर सकें। काउंसलर बच्चों की चिंता, दबाव, पढ़ाई से जुड़ी दिक्कतों या व्यक्तिगत समस्याओं को सुनकर उन्हें सही दिशा और सहारा देते हैं। वे न केवल तनाव कम करने में मदद करते हैं, बल्कि बच्चों को भावनाओं को समझने, आत्मविश्वास बढ़ाने और कठिन परिस्थितियों से निपटने की तकनीकें भी सिखाते हैं। इसी कारण ज़रूरी है कि काउंसलर को किसी अन्य विषय की पढ़ाई की जिम्मेदारी न दी जाए, क्योंकि ऐसा करने से उनकी भूमिका शिक्षक और परामर्शदाता के बीच धुंधली हो जाती है। जब दोनों भूमिकाएँ आपस में गड्डु-मड्डु हो जाती हैं, तो

बच्चे खुलकर अपनी समस्याएँ साझा नहीं कर पाते और काउन्सलर के साथ उनका भरोसे का रिश्ता कमजोर हो जाता है। एक काउंसलर तभी प्रभावी हो सकता है जब उसकी पहचान केवल बच्चों के मार्गदर्शक और सहारा बनने की रहे, न कि एक और विषय पढ़ाने वाले शिक्षक की।

खेल-कूद, संगीत, नाटक और कला बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए उतने ही ज़रूरी हैं जितने दूसरे विषय और दूसरे पाठ्यक्रम। विद्यालयों और समाज दोनों को इन गतिविधियों को शिक्षा का अभिन्न हिस्सा मानना चाहिए जो कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। स्कूलों में नियमित रूप से खेल, संगीत और कला की कक्षाएँ आयोजित की जानी चाहिए और इन्हें केवल 'अतिरिक्त' गतिविधि मानकर सीमित समय न दिया जाए। बच्चों की रुचि के अनुसार अलग-अलग मंच और अवसर बनाए जाएँ ताकि हर बच्चा अपनी प्रतिभा और भावनाओं को व्यक्त कर सके। वहीं, अभिभावकों और समाज को भी यह समझना होगा कि इन गतिविधियों का मूल्य केवल मनोरंजन में नहीं, बल्कि बच्चों के आत्मविश्वास, सहयोग की भावना और मानसिक स्वास्थ्य में निहित है। इन सभी को मानसिक स्वास्थ्य के लिए उपयोगी साबित करने के लिए एक काउन्सलर का होना जरूरी है। इसके साथ ही समाज को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति अपनी सोच बदलनी होगी। इसे बीमारी या कमजोरी के रूप में देखने की बजाय इसे भी उतना ही सामान्य मानना होगा जितना शारीरिक स्वास्थ्य को। छोटे कस्बों और गाँवों तक भी मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचें, इसके लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों में यह सुविधा ज़रूरी है। इसके साथ ही मोबाइल क्लिनिक और हेल्पलाइन जैसी सेवाएँ शुरू की जा सकती हैं, ताकि लोग आसानी से मदद ले सकें। स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित काउंसलर और जागरूकता कार्यक्रम भी होने चाहिए, ताकि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी शर्म और डर कम हो सके।

कुछ लोगों का मानना यह भी होता है कि मानसिक स्वास्थ्य आज के समय के चोंचले है। पहले तो ऐसा कुछ नहीं होता था परंतु ऐसा नहीं है मानसिक स्वस्थ्य के मुद्दे पहले भी उतने ही थे लेकिन फर्क सिर्फ इतना था कि उस समय परिवार बड़े होते थे, पड़ोसियों और रिश्तेदारों के साथ गहरा जुड़ाव होता था और सामूहिकता जीवन का स्वाभाविक हिस्सा था। लोग मुश्किल समय में एक-दूसरे का सहारा बनते थे और बातचीत, मेल-जोल से कई समस्याएँ हल्की पड़ जाती थीं। लेकिन वहीं आज के दौर में जीवनशैली तेज़ और अधिक व्यक्तिगत हो गई है। लोग अपने काम और निजी लक्ष्यों में व्यस्त रहते हैं, जिससे अकेलापन बढ़ता जा रहा है। यही अकेलापन मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के उभरने और बढ़ने का एक प्रमुख कारण बन जाता है।

अंतत: हमें यह स्वीकार करना होगा कि मानसिक स्वास्थ्य कोई 'लक्ज़री' नहीं बल्कि जीवन की बुनियादी ज़रूरत है। अगर हम चाहते हैं कि हमारे आसपास कोई युवा अवसाद से न जूझे, आत्महत्या कि दहलीज़ तक न पहुंचे तो हमें एक संवेदनशील समाज बनाना होगा और नंबर रेस की प्राथमिकता को पीछे धकेलकर एक सुंदर जीवन सुंदर समाज का सपना देखना होगा।

प्राचीन ज्ञान से आधुनिक समाधान तक

आयुर्वेद दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक पत्रकार हैं ।

आयुर्वेद, जिसकी जड़ें भारतीय संस्कृति और ज्ञान की हजारों वर्षों पुरानी परंपराओं में निहित हैं, आज वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य और कल्याण की एक मान्यता प्राप्त प्रणाली बन चुका है। ऋग्वेद और अथर्ववेद में वर्णित औषधीय ज्ञान से लेकर चरक, सुश्रुत और वाग्भट्ट जैसे आचार्यों के ग्रंथों तक, आयुर्वेद ने सदियों से मनुष्य को प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने की शिक्षा दी है। यह केवल एक औषधि-प्रणाली नहीं है बल्कि जीवन जीने की संपूर्ण पद्धति है, जिसमें आहार, विहार, आचरण, योग और ध्यान को स्वास्थ्य का मूल आधार माना जाता है। इसी कारण आयुर्वेद को 'जीवन वेद' कहा जाता है, जो मनुष्य को केवल रोगमुक्ति ही नहीं बल्कि दीर्घायु, संतुलित और पर्यावरण-सम्मत जीवन की ओर प्रेरित करता है।

2016 में जब पहली बार आयुर्वेद दिवस मनाया गया था, तब इसकी तिथि धनतेरस के साथ जुड़ी थी लेकिन वैश्विक महत्व और स्थायी पहचान को ध्यान में रखते हुए अब प्रत्येक वर्ष 23 सितंबर को यह दिवस मनाया जाएगा। इस वर्ष आयुर्वेद दिवस का 10वां संस्करण 'आयुर्वेद: जन-जन के लिए, पृथ्वी के कल्याण के लिए' थीम के साथ मनाया जा रहा है, जो न केवल मनुष्य के व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बल्कि पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय स्थिरता को भी केंद्र में लाता है। इस दृष्टि से यह वर्ष आयुर्वेद दिवस को वैश्विक स्वास्थ्य और धरती के कल्याण का एक संयुक्त मंच बना देता है।

आयुर्वेद दिवस का इस वर्ष का विषय पर्यावरण की रक्षा को भी प्राथमिकता देता है। आज वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन, वायु और जल प्रदूषण, प्राकृतिक संसाधनों की कमी और असंतुलित उपभोग जैसी चुनौतियां हमारे सामने हैं। वैज्ञानिक रिपोर्टें लगातार चेतावनी दे रही हैं कि यदि इन समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाली पीढ़ियां गंभीर संकट का सामना करेंगी। आयुर्वेद इस दिशा में मार्गदर्शन करता है कि कैसे हम प्रकृति के साथ संतुलित संबंध बनाकर अपने स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों की रक्षा कर सकते हैं। आयुर्वेदिक उपचार पद्धतियां रासायनिक दवाओं की तुलना में पर्यावरण पर कहीं अधिक कम बोझ डालती हैं। औषधीय पौधों और प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित चिकित्सा न केवल सुरक्षित है बल्कि जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र को भी संरक्षित करने में मददगार है।

विश्व स्तर पर भी आयुर्वेद अब केवल भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं है। आज 24 देशों में इसे पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के रूप में मान्यता प्राप्त है और 100 से अधिक देश आयुर्वेदिक औषधियों और उत्पादों का आयात करते हैं। आयुष मंत्रालय के अनुसार भारत का आयुर्वेदिक उद्योग वर्ष 2023-24 में लगभग 5.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है और 2028 तक इसके 10 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह न केवल भारत की अर्थव्यवस्था में योगदान कर रहा है बल्कि विश्व को प्राकृतिक और सुरक्षित स्वास्थ्य विकल्प भी उपलब्ध करा रहा है। आयुर्वेदिक उत्पादों की मांग अमेरिका, यूरोप, एशिया और अफ्रीका के देशों में लगातार बढ़ रही है और योग तथा ध्यान के साथ मिलकर यह एक समग्र स्वास्थ्य समाधान के रूप में स्थापित हो रहा है।

आयुर्वेद दिवस 2024 की उपलब्धियों ने इस वर्ष के आयोजन के लिए ठोस आधार तैयार किया है। पिछले वर्ष अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) के दूसरे चरण का उद्घाटन किया गया, जिससे शोध, शिक्षा और उपचार की सुविधाओं का विस्तार हुआ। साथ ही आयुर्वेद में चार उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए गए, जिन्होंने आधुनिक अनुसंधान और पारंपरिक ज्ञान को जोड़ने का कार्य किया। 'देश का प्रकृति संरक्षण अभियान' भी इसी क्रम में शुरू किया गया, जो यह दर्शाता है कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा नहीं है बल्कि पर्यावरणीय संरक्षण का भी हिस्सा है। ये उपलब्धियां इस बात का प्रमाण हैं कि भारत आयुर्वेद को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठा रहा है।

आयुर्वेद का प्रभाव सामाजिक स्तर पर भी उल्लेखनीय है। हाल ही में हुए प्रथम अखिल भारतीय एनएसएसओ सर्वेक्षण ने स्पष्ट किया है कि भारत के ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में आयुर्वेद सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली उपचार प्रणाली है। इसका कारण यह है कि लोग इसे सुरक्षित, सुलभ और किफायती मानते हैं। आयुर्वेदिक औषधियां न केवल घरेलू स्तर पर आसानी से उपलब्ध होती हैं बल्कि इनके दुष्प्रभाव भी न्यूनतम होते हैं।

यही कारण है कि आज आम नागरिक से लेकर वैश्विक स्वास्थ्य विशेषज्ञ तक, आयुर्वेद को आधुनिक चिकित्सा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण पूरक मान रहे हैं। आयुर्वेद का यह स्वरूप न केवल स्वास्थ्य की दृष्टि से बल्कि सांस्कृतिक और कूटनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। विश्व के कई देशों में भारत की 'सॉफ्ट पावर' के रूप में आयुर्वेद और योग की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। यह केवल दवाओं और उपचारों तक सीमित नहीं है बल्कि यह भारत की जीवनशैली, दर्शन और आध्यात्मिक परंपरा का भी प्रतीक है। जब कोई विदेशी नागरिक आयुर्वेदिक चिकित्सा अपनाता है या योग और ध्यान को अपने जीवन में शामिल करता है तो वह केवल स्वास्थ्य लाभ ही नहीं लेता बल्कि भारतीय संस्कृति से भी जुड़ाव महसूस करता है।

आयुर्वेद दिवस का उत्सव वास्तव में उस सामूहिक प्रयास का प्रतीक है, जिसमें व्यक्ति, समाज और प्रकृति सभी के कल्याण की कामना निहित है। यदि मनुष्य स्वस्थ होगा तो समाज समृद्ध होगा और यदि प्रकृति संतुलित रहेगी तो आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन संभव होगा। आयुर्वेद का यह दृष्टिकोण हमें सिखाता है कि स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा केवल सरकारों या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि यह प्रत्येक व्यक्ति का कर्त्तव्य है।

इस अवसर पर यह कहना अनुचित नहीं होगा कि आयुर्वेद दिवस केवल अतीत की परंपराओं को याद करने का अवसर नहीं है बल्कि यह भविष्य के लिए मार्गदर्शन लेने का मंच है। यदि विश्व आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों (संतुलन, सामंजस्य और प्राकृतिक जीवनशैली) को अपनाए तो निश्चित रूप से न केवल रोगों पर विजय पाई जा सकती है बल्कि पृथ्वी के पर्यावरणीय संकटों से भी निपटा जा सकता है। यही कारण है कि आयुर्वेद दिवस को केवल भारत ही नहीं, पूरे विश्व के लिए स्वास्थ्य और स्थिरता का उत्सव कहा जा सकता है।

शासकीय सांदीपनि विद्यालय बैतूलबाजार में अरुण-उदय कक्षा का शुभारंभ

बैतूल। नवरात्रि के पावन पर्व पर शासकीय सांदीपनि कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बैतूल बाजार में अरुण और उदय कक्षा का शुभारंभ धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ नागरिक जितेंद्र वर्मा, प्राचार्य, प्रधानपाठक, शिक्षकगण, विद्यार्थी और अभिभावक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसके पश्चात मुख्य अतिथि और प्राचार्य ने संयुक्त रूप से अरुण और उदय कक्षा का शुभारंभ किया। प्राचार्य एवं प्रधान पाठक एन.आर. हांके, प्रवेश प्रभारी जितेंद्र सूर्यवंशी एवं शिक्षक गण द्वारा सभी विद्यार्थियों को तिलक लगाकर, फल व मिठाइयों का वितरण किया। इस दौरान विद्यार्थियों के उत्साह और उमंग को देखते हुए प्राचार्य ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्य अतिथि श्री वर्मा ने अपने संबोधन में नई कक्षाओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पहल विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समग्र विकास के अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने विद्यालय के प्रयासों की सराहना की और विद्यार्थियों को मेहनत और लगन से पढ़ाई करने की प्रेरणा दी।

प्राचार्य ने बताया कि अरुण और उदय कक्षाएं विद्यार्थियों के लिए एक नई शुरुआत हैं, जो उन्हें आधुनिक शिक्षा और कौशल विकास के लिए तैयार करेंगी। कार्यक्रम के अंत में सभी ने विद्यालय के उन्नति और विद्यार्थियों की सफलता के लिए संकल्प लिया। अंत में प्रधानपाठक श्री हांके द्वारा सभी का आभार प्रदर्शन किया गया।

शासकीय सांदीपनि विद्यालय बैतूलबाजार में कैरियर गाइडेंस सेमिनार का आयोजन

बैतूल। शासकीय सांदीपनि कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बैतूलबाजार बैतूल में कक्षा 10वीं व कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए कैरियर गाइडेंस सेमिनार का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि संदीप गुप्ता ने विद्यार्थियों से संवाद स्थापित कर उनके करियर संबंधी विचारों और रुचियों को जाना। श्री गुप्ता ने बताया कि एलआईसी के माध्यम से कैसे

अपने भविष्य को सुनहरा करें, विस्तृत में एलआईसी के बारे मे जानकारी प्रदान की। कैसे एलआईसी मे निवेश करके हमें अपने भविष्य को सुनहरा करना है। पीपीएफ खाता की जानकारी, निश्चित रिफंड, फिक्स डिपाजिट की जानकारी दी, श्री गुप्ता ने बताया की आज एलआईसी विश्व की तीसरे स्थान का ब्रांड बन चुका है, इत्यादि से विधार्थियो को अवगत कराया। अतिथि ने बताया कि विद्यार्थी जीवन मे संयम होना अति आवश्यक है, यदि आप संयमित रहते हो तो अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में आसानी होती है। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य, समस्त शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित रहे। सेमिनार ने विद्यार्थियों में अपने भविष्य को लेकर एक नव दिशा और नव उत्साह का संचार किया।

आरटीओ के चैकिंग अभियान में नियम तोड़ने वाली 11 बसों पर हुई 51 हजार 500 की चालानी कार्रवाई

कैमरे की निगरानी में चली कार्रवाई, 2 अक्टूबर तक चलेगा विशेष अभियान

बैतूल। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए परिवहन आयुक्त मध्यप्रदेश के निर्देश पर जिले में 11 दिवसीय विशेष चेकिंग अभियान की शुरुआत सोमवार 22 सितंबर को हुई। इस अभियान की कमान स्वयं जिला परिवहन अधिकारी अनुराग शुक्ला ने संभाली। पहले दिन कोठीबाजार के मुल्ताजी पेट्रोल पंप चौक पर चेकिंग प्वाइंट बनाया गया, जहां बसों की सघन जांच की गई। अभियान के पहले दिन परिवहन उप निरीक्षक अनिमेष जैन सहित पूरे परिवहन विभाग की टीम चेकिंग में जुटी रही।

चेकिंग के दौरान बसों में फर्स्ट एड बॉक्स की जांच की गई। जिन वाहनों में दवाइयों की कमी पाई गई, उनका तत्काल चालान बनाया गया। इसके बाद अग्निशमन यंत्रों की जांच की गई। अग्निशमन यंत्रों को बस से बाहर निकालकर चालू स्थिति में देखा गया, लेकिन कई बसों में यंत्र पूरी तरह खाली मिले, जिस पर संबंधित बसों पर चालानी कार्रवाई की गई। बसों के परमिट शर्तों की भी जांच की गई। जिन बसों ने परमिट की शर्तों का उल्लंघन किया, उन पर भी कार्रवाई करते हुए कुल 11 बसों का 51

हजार 500 रुपए का चालान काटा गया।

आरटीओ अनुराग शुक्ला ने स्पष्ट किया कि यह अभियान 2 अक्टूबर तक जिलेभर में चलाया जाएगा। इस दौरान हर प्रमुख मार्ग और चौराहों पर बसों की नियमित जांच की जाएगी। किसी भी तरह की अनदेखी या नियमों के उल्लंघन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कैमरे की निगरानी में चला चैकिंग अभियान

चेकिंग अभियान की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि पूरी कार्रवाई कैमरे की निगरानी में की गई। सभी जांच और चालान की प्रक्रिया लाइव रिकॉर्ड की गई, जिससे किसी प्रकार की आपत्ति या विवाद की स्थिति न बन सके। आरटीओ अनुराग शुक्ला ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य बसों में यात्रा कर रहे आम नागरिकों को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराना है। उन्होंने यह भी बताया कि परिवहन विभाग इस बार पूरी गंभीरता से काम कर रहा है और जिन बस संचालकों ने सुरक्षा के मानकों में कोताही बरती है, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। इस विशेष चेकिंग अभियान के चलते जिले में बस संचालकों में हड़कंप की स्थिति है। वहीं, आम नागरिकों और यात्रियों ने इस कार्रवाई की सराहना करते हुए इसे यात्रियों की सुरक्षा की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया है।

इनका कहना है –

परिवहन आयुक्त के निर्देश पर आज से 11 दिवसीय विशेष चेकिंग अभियान की शुरुआत की गई है, जो आगामी 2 अक्टूबर तक चलेगा। इस अभियान के अंतर्गत प्रतिदिन विभिन्न यात्री वाहनों, जिनमें यात्री बस, स्कूल बस, मैजिक आदि की नियमित जांच कर, उनमें किसी भी तरह की अनदेखी पाए जाने और नियमों के उल्लंघन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

– अनुराग शुक्ला,
आरटीओ, जिला परिवहन विभाग, बैतूल

फ्लैगशिप योजनाओं में शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल की जाए: कलेक्टर

आदि कर्मयोगी अभियान को जनांदोलन बनाएं, समय सीमा की बैठक आयोजित

बैतूल। केंद्र और राज्य शासन की समस्त फ्लैगशिप योजनाओं में शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल की जाएं। सभी विभाग अपनी योजनाओं में निर्धारित लक्ष्य को समय पर पूर्ण करें। यह निर्देश सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समयसीमा की बैठक में कलेक्टर बैतूल नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने अधिकारियों को दिए। उन्होंने बैठक में विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने त्योहारों के दृष्टिगत जिले में स्वच्छता, बिजली, पेयजल इत्यादि की बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विसर्जन के लिए व्यवस्थित कुंड बनाने के निर्देश नगरपालिका को दिए। जहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हो। स्वरोजगार शिविरों की समीक्षा कर कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी स्वरोजगार मूलक योजनाओं में बैंकों में प्रेषित प्रकरणों को स्वीकृत और वितरित कराए। उन्होंने उद्यानिकी, पशुपालन और सहकारिता को विशेष फोकस कर अपनी योजनाओं में लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम स्वनिधि योजना में हितग्राहियों के आवेदन बैंकों को प्रेषित कराने के लिए निर्देशित किया।

लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा– कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैठक में लंबित पेंशन प्रकरणों को विभागवार समीक्षा की। उन्होंने कर्मचारियों के पेंशन प्रकरणों का त्वरित निराकरण

के निर्देश सभी विभागों के अधिकारियों को दिए। उन्होंने ऑफिस प्रणाली के क्रियान्वयन की समीक्षा कर निर्देश दिए कि कोई भी कार्यालय अपने यहां ऑफलाइन पत्रों को स्वीकार न करें। ऐसा करने पर सम्बन्धित अधिकारी पर अर्थदंड लगाया जाएगा। उन्होंने विभागों को ई ऑफिस के मूवमेंट में भी प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने समग्र ई केवाईसी अभियान की जनपद और निकायवार समीक्षा की। उन्होंने अभियान चलाकर ई केवाईसी में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने ई केवाईसी में शाहपुर जनपद को गति लाने की हिदायत दी। उन्होंने निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा कर सभी रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को पूरी गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए।

2 अक्टूबर तक विजन प्लान कराने के निर्देश – आदि कर्मयोगी योगी अभियान के तहत सभी जनपद सीईओ को 2 अक्टूबर तक प्रभावी विजन प्लान कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान के प्रति जागरूकता के लिए ग्रामों में दीवार लेखन, पोस्टर, नुक्कड़ नाटक इत्यादि गतिविधियां आयोजित कराएं इस प्रकार ग्रामों में आदि सेवा केंद्रों की स्थापना की जाए। फैलोशिप और इंटर्नशिप तथा सेमिनार भी आयोजित किए जाने के निर्देश दिए। अभियान को जनांदोलन बनाएं। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की भी विभागवार समीक्षा कर 50 दिवस से अधिक की शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

विधायक उईके ने व्यापारियों से की मुलाकात, जीएसटी स्लैब में राहत पर जताया आभार

बैतूल/भौंरा। केंद्र सरकार द्वारा आम उपभोक्ताओं और व्यापारियों को राहत देते हुए कई जन-उपयोगी एवं आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती किए जाने का सकारात्मक असर बाजार में दिखने लगा है। सोमवार को भौंरा नगर में विधायक गंगा सज्जन सिंह उईके ने स्थानीय व्यापारियों से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं और सरकार की इस पहल को उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत बताया। विधायक उईके ने कहा कि भारत सरकार समय-समय पर आम जनता की जरूरतों को ध्यान में रखते

हुए टैक्स ढांचे में बदलाव कर रही है। हाल ही में किए गए संशोधनों से उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा और व्यापारिक गतिविधियों में भी तेजी आएगी। व्यापारियों ने भी जीएसटी स्लैब में की गई कटौती का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार का आभार जताया। उनका कहना था कि आवश्यक वस्तुओं पर कर घटने से उपभोक्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है। बाजारों में खरीदारी बढ़ी है और आगामी त्योहारी सीजन में इसका सकारात्मक असर देखने को मिलेगा। मुलाकात के दौरान विधायक उईके ने व्यापारियों को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं और स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी कर वोकल फॉर लोकल अभियान को बल दिया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों की बिक्री और उपयोग से स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और छोटे व्यापारियों की आमदनी भी बढ़ेगी। व्यापारियों ने भी भरोसा जताया कि केंद्र सरकार के इस निर्णय से उपभोक्ताओं को राहत मिलने के साथ-साथ स्थानीय बाजारों की रौनक में इजाफा होगा। विधायक उईके ने सभी से अपील की कि उपभोक्ताओं को सरकार की इस पहल की जानकारी दें ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

जीएसटी सुधार आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम

भारत को आत्मनिर्भर बनाने हमें स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करना है: हेमन्त खण्डेलवाल

बैतूल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने जीएसटी रिफॉर्म जन जागरण अभियान के अंतर्गत सोमवार को बैतूल के गंज मार्केट में भ्रमण कर स्थानीय व्यापारियों और ग्राहकों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा जीएसटी की दरों में किए गए बदलाव की जानकारी देकर मुंह मीठा कराया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री खण्डेलवाल ने खरीदारी कर रहे ग्राहकों से चर्चा के दौरान उन्होंने जीएसटी की कम हुई दरों पर प्रसन्नता व्यक्त करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार माना। उन्होंने अपने दैनिक जीवन में अधिक से अधिक स्वदेशी उत्पाद एवं वस्तुओं के क्रय-विक्रय व उपयोग का आग्रह भी किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके एवं आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे भी प्रदेशाध्यक्ष के साथ थे। श्री खण्डेलवाल ने कहा कि जीएसटी सुधार आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में बड़ा ऐतिहासिक कदम है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार की नागरिक देवो भवः की परिकल्पना साकार हो रही है। भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी उत्पादों को बढावा दें और अधिक से अधिक मात्रा में स्वदेशी उत्पादों का ही उपयोग करें। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आह्वान है कि अपने देश की मिट्टी से जुड़ा हर उत्पाद हमारी संस्कृति, मेहनत और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। इसलिए आत्मनिर्भर और विकसित भारत निर्माण के लिए वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देते हुए स्थानीय कारीगरों और स्वदेशी उद्योगों को प्रोत्साहन दें। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत जीएसटी सुधार को देश की दिशा और दशा बदलने वाला महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि यह केवल कर सुधार नहीं, बल्कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प है। आज भारत दुनिया का सबसे बडा युवा देश है। युवा न केवल उपभोग करता है बल्कि उत्पादन और जीडीपी में बडा योगदान दे सकता है। जीएसटी रिफॉर्म स्वदेशी के लिए मजबूत आधार बनेगा। इस दौरान जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार, विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, जिला महामंत्री कृष्णा गायकी, जिला संयोजक दीपक सलूजा, मनजीतसिंह साहनी, मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, विक्रम वैद्य सहित पार्टी कार्यकर्ता एवं स्थानीय जन उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने व्यापारियों व विक्रेताओं को जीएसटी में छूट के लाभ की दी जानकारी

भारत के बचत उत्सव आयोजन में व्यापारियों व विक्रेताओं से किया संवाद

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि आज देश में बचत उत्सव का शुभारंभ हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी की दरों में कमी की घोषणा की जिसके कारण 90 प्रतिशत से अधिक चीजें सस्ती हो गई हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा शहर के व्यापारियों व खरीददारों से संवाद कर जीएसटी में छूट से मिलने वाले लाभ के विषय में बताया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा शहर के शिल्पी प्लाजा में दूकानों में पहुंचकर व्यापारियों, आमजनों व खरीददारों से कहा कि नवरात्रि के प्रथम दिन से आपकी जरूरतों की सभी चीजें सस्ती हो गई हैं। जीएसटी में कटौती की प्रधानमंत्री जी की घोषणा के बाद दवाइयाँ, दिन उपयोग की चीजों सहित देश में 375 से ज्यादा वस्तुएँ सस्ती हो गई हैं। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था में 99 प्रतिशत वस्तुओं में सिर्फ 5 प्रतिशत टैक्स लगेगा जिससे सभी को काफी राहत मिलेगी। उप मुख्यमंत्री ने व्यापारियों व खरीददारों से संवाद करते हुए स्वदेशी वस्तुएँ बेंचने व खरीदने का आग्रह किया। उन्होंने

कहा कि अपने देश की बनी वस्तुएँ खरीदने से देश का पैसा देश में ही रहेगा और हमें गर्व होगा कि हम अपने देश के बने उत्पाद खरीद रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने दूकानों में बचत उत्सव, हर घर स्वदेशी व घर-घर स्वदेशी के पोस्टर लगाकर लोगों को स्वदेशी वस्तुएँ अपनाने का संदेश दिया। इस दौरान पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता एवं शिल्पी प्लाजा के व्यवसायी उपस्थित रहे।

सोनिया अशोक जोशी अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद उज्जैन - इंदौर संभाग की महासचिव नियुक्त

धार। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद की प्रात संरक्षक उमा पुरोहित एवं प्रांतीय अध्यक्ष मालवा प्रांत संध्या राजपुरोहित की अनुशंसा पर धार की समाजसेवी सोनिया अशोक जोशी को अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता त्रिपाठी द्वारा मालवा प्रांत के इंदौर- उज्जैन संभाग का महासचिव नियुक्त किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद की अध्यक्ष

संध्या राजपुरोहित एवं प्रांत सरक्षक उमा पुरोहित तथा सोनिया जोशी मित्र मंडल द्वारा महासचिव मनोनयन पर उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य और सफल कार्यकाल की मंगल कामना करते हुए प्रांतीय अध्यक्ष संध्या राजपुरोहित ने राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता त्रिपाठी एवं संरक्षक डॉक्टर संध्या उपाध्याय का आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि सोनिया जोशी परशुराम कल्याण बोर्ड धार जिला प्रभारी अशोक मनोहर जोशी की धर्मपत्नी है।

धार गायत्री शक्तिपीठ पर सर्वपितृ अमावस्या पर विधि-विधान के साथ हुआ तर्पण

धार। सोलह दिवसीय श्राद्ध पक्ष के अंतिम दिन सर्वपितृ अमावस्या पर आज रविवार को धार जिला मुख्यालय स्थित गायत्री शक्तिपीठ पर सर्व पितृ अमावस्या का पर्व श्रद्धा, भक्ति के साथ मनाया गया। धार गायत्री शक्तिपीठ के प्रमुख ट्रस्टी रमेश चंद्र सचान ने बताया कि बड़ी संख्या में गायत्री परिजनों ने सर्वपितृ अमावस्या पर पितरो का तर्पण किया। मंत्रोच्चार के साथ जल तर्पण के बाद पिंड पूजन कर तर्पण किया गया। तर्पण क्यों किया जाना चाहिए की व्याख्या करते हुवे आचार्य प्रज्ञा बैरागी द्वारा मंत्रों के साथ तर्पण कार्य सम्पन्न करवाया गया। तर्पण के पश्चात मंत्र और जल से पवित्रीकरण कर श्रद्धालुओं द्वारा यज्ञ किया गया जिसमें गायत्री महामंत्र , महामृत्युंजय मंत्र और अन्य मंत्रो के साथ यज्ञ में आहुतियां दी गई साथ ही पितरों के लिए भी विशेष आहुतियां दी गई।

श्री लक्ष्मीनारायण निः शुल्क हॉस्पिटल पर गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज 216 घंटे चलने वाले विश्व के सबसे लम्बे अखंड श्रीयंत्र महालक्ष्मी महायज्ञ का शुभारम्भ

धार। नारायण धाम, दशहरा मैदान स्थित श्री लक्ष्मीनारायण निः शुल्क हॉस्पिटल पर गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज 216 घंटे अनवरत चलने वाले विश्व के सबसे लम्बे अखंड श्रीयन्त्र महालक्ष्मी महायज्ञ का शुभारम्भ किया गया । प्रसिद्ध समाजसेवी एवं ज्योतिषाचार्य स्व. राजू जी महाराज के आशीर्वाद से विश्व में सद्भाव, शांति एवं समृद्धि के उद्देश्य से विगत 24 वर्षों से नारायण परिवार निष्काम भाव से इस यज्ञ का आयोजन करता आ रहा है। श्रद्धालु you tube live के माध्यम से सायं 7 बजे इस यज्ञ के दर्शन कर सकते हैं। जानकारी प्रथम राठौर ने दी।

जिला-स्तरीय बाल रंग के कार्यक्रम का आयोजन हुआ

36 विधाओं की 72 प्रतियोगिताएं आयोजित की गई

विदिशा (निप्र)। जिला-स्तरीय बाल रंग के कार्यक्रम का आयोजन टैगोर ऑडिटोरियम मे हुआ। आयोजन में सर्वप्रथम जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदे के चरणों में माल्यार्पण कर एवं दीप प्रचलन कर हुआ। आयोजन के मुख्य अतिथि विधायक श्री मुकेश टंडन एवं संयुक्त कलेक्टर शशि मिश्रा एवं प्राचार्य पीएम श्री महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विदिशा जिला स्तरीय कार्यक्रम के नोडल डॉ दीप्ति शुक्ला क्यों उपस्थिति में हुआ। डॉ दीप्ति शुक्ला ने जानकारी बताया कि इस आयोजन में 36 विधाओं की 72 प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें साहित्यिक प्रतियोगिता, सांस्कृतिक प्रतियोगिता, योग प्रतियोगिता, मदरसा प्रतियोगिता, गजल एवं नजम प्रतियोगिता ,कव्वाली प्रतियोगिता ,संस्कृत प्रतियोगिता, संस्कृत नाटिका प्रतियोगिता भाषण, प्रतियोगिता साहित्यिक प्रतियोगिता ,तात्कालिक भाषण, भाषण ,वाद-विवाद ,एकल एवं समूह ,सांस्कृतिक प्रतियोगिता शास्त्रीय ,एकाल एवं समूह एवं 36 विधाओ का आयोजन आज किया गया। जिसमें जिले के समस्त सात विकासखंड ने सहभागिता की आज आयोजन में 500 से अधिक छात्र छात्राएं सम्मिलित हुए और 150 से अधिक शिक्षक शिक्षिकाएं शामिल हुए संभाग - स्तरीय प्रतियोगिता 4 अक्टूबर को भोपाल में आयोजित होगी। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कनिष्ठ वर्ग में आरुषि लोधी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उदयपुर बासौदा ने प्राप्त किया एवं कनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान सुमित मैं शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में प्राप्त किया संस्कृत निबंध में कनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान कुमारी दिशा डांगी ने संदीपनी कार्रवाई में प्राप्त किया एवं वरिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान आदर्श राजपूत शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय विदिशा ने प्राप्त किया चित्रकला प्रतियोगिता में कुमारी महक अहिरवार माध्यमिक विद्यालय हैदरगढ़ में बारिश किया एवं दिव्यांग श्री में डॉल्फिन गंज बासौदा की नियति शिल्पकार में वरिष्ठ वर्ग में दिव्यांग श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सांदीपनी ग्यारसपुर ,अंबिका सिसोदिया कनिष्ठ वर्ग एवं वरिष्ठ वर्ग में प्रशांत साहू ने प्राप्त किया आयोजन में निर्णायक की भूमिका ऋषिकेश शर्मा प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सौंठिया , श्री कमलेश दुबे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पर करारिया लश्करपुर एवं श्री सौदान सिंह सूर्यवंशी जी ने निभाई। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती आभा पाराशर ने किया एवं सहयोग श्री सुरेंद्र आचार्य, श्रीमती अमिता बीसानी, श्रीमती प्रगति शर्मा, श्री शैलेंद्र शर्मा , श्री प्राणेश कासिम, श्री ओम प्रकाश चौबे, श्री कमल सिंह परिहार एवं सौननद्र चौधरी ने किया। जिला स्तर से चयनित प्रतिभागी 4 अक्टूबर 2025 को भोपाल के संभाग स्तरीय आयोजन में सहभागिता करेंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने व्यापारियों व विक्रेताओं को जीएसटी में छूट के लाभ की दी जानकारी

भारत के बचत उत्सव आयोजन में व्यापारियों व विक्रेताओं से किया संवाद

भोपाल । उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि आज देश में बचत उत्सव का शुभारंभ हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी की दरों में कमी की घोषणा की जिसके कारण 90 प्रतिशत से अधिक चीजें सस्ती हो गई हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा शहर के व्यापारियों व खरीददारों से संवाद कर जीएसटी में छूट से मिलने वाले लाभ के विषय में बताया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा शहर के शिल्पी प्लाजा में दूकानों में पहुंचकर व्यापारियों, आमजनों व खरीददारों से कहा कि नवरात्रि के प्रथम दिन से आपकी जरूरतों की सभी चीजें सस्ती हो गई हैं। जीएसटी में कटौती की प्रधानमंत्री जी की घोषणा के बाद दवाइयाँ, दिन उपयोग की चीजों सहित देश में 375 से ज्यादा वस्तुएँ सस्ती हो गई हैं। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था में 99 प्रतिशत वस्तुओं में सिर्फ 5 प्रतिशत टैक्स लगेगा जिससे सभी को काफी राहत मिलेगी। उप मुख्यमंत्री ने व्यापारियों व खरीददारों से संवाद करते हुए स्वदेशी वस्तुएँ बेंचने व खरीदने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अपने देश की बनी वस्तुएँ खरीदने से देश का पैसा देश में ही रहेगा और हमें गर्व होगा कि हम अपने देश के बने उत्पाद खरीद रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने दुकानों में बचत उत्सव, हर घर स्वदेशी व घर-घर स्वदेशी के पोस्टर लगाकर लोगों को स्वदेशी वस्तुएँ अपनाने का संदेश दिया। इस दौरान पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता एवं शिल्पी प्लाजा के व्यवसायी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा के निर्देशानुसार एसडीएम द्वारा एक बगिया मॉ के नाम तहत पौधरोपण का किया गया निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार शुक्रवार को सभी एसडीएम द्वारा अपने अनुभाग क्षेत्र में एक बगिया मॉ के नाम परियोजना के तहत बनाई गई फलोद्यान बगिया तथा पौधरोपण कार्य का निरीक्षण किया गया। बेगमगंज एसडीएम श्री सौरभ मिश्रा द्वारा बेगमगंज जनपद पंचायत के पछिपुरा में एक बगिया मॉ नाम परियोजना के तहत बनाई जा रहीं फलोद्यान बगिया का निरीक्षण किया गया। साथ ही हितग्राही महिला से सभी चर्चा कर जानकारी ली गई। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा जिले में एक बगिया मॉ के नाम परियोजना के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी एसडीएम को ग्रामीण क्षेत्रों में बनाई जा रहीं फलोद्यान बगिया के निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान पौधे निर्धारित दूरी पर और सही तरीके से रोपित किए गए हैं, उनकी सुरक्षा हेतु तार-फेंसिंग ठीक तरीके से की गई है या नहीं सहित अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन करने के निर्देश दिए गए हैं।

फार्मर रजिस्ट्री का कार्य अभियान के रूप में

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में फार्मर रजिस्ट्री का कार्य अभियान के रूप में क्रियान्वित किया जा रहा है राजस्व अधिकारी व अन्य गांव गांव में पहुंचकर डोर-टू-डोर सम्पर्क कर फार्मर आईडी से वंचित किसानो के दस्तावेजो के माध्यम से फार्मर रजिस्ट्री के कार्य संपादित कर रहे है। शुक्रवार को कुरवाइ , लटेरी तहसील के ग्रामो में विशेष केम्पो का आयोजन किया गया था। अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती सविता पटेल ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री कार्य के दौरान आधार, और मोबाइल की ओटीपी डालकर डाटा को सेब ड्राफ्ट में रखा जा रहा है उसके बाद में लैंड वेरीफाई होने के पश्चात आईडी के माध्यम से फार्मर रजिस्ट्री कार्य संपादित किया जा रहा है।

राजमिस्त्री प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ

हरदा (निप्र)। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान , हरदा में गुरुवार को 18 सितम्बर से 30 तक राजमिस्त्री का प्रशिक्षण शुभारम्भ हुआ। यह प्रशिक्षण भारत सरकार की योजना अंतर्गत प्रदान किया जा रहा है द्य इस प्रशिक्षण में जिला पंचायत, हरदा , राष्ट्रीय आजीवका मिशन हरदा , ग्रामीण आवास विभाग हरदा द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण हेतु आरसेटी हरदा भेजा गया। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर द्वारा उन्हें आवास निर्माण हेतु कौशलता का विकास कर आधुनिक तकनीक के माध्यम से बेहतर तरीके से सिखाया जायेगा। प्रशिक्षण उपरांत प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा द्य इस अवसर पर प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षण कक्ष में श्री मनीष सिंह तंवर परियोजना अधिकारी जिला पंचायत ने दीप प्रज्वलित कर प्रथम बैच के प्रशिक्षण का शुभारम्भ किया द्य प्रशिक्षण का शुभारम्भ के समय आरसेटी निदेशक श्री दिनेश कुमार शाक्य , डीएम स्किल श्री राधे श्याम जाट , श्री वकील खान, श्री बाबूलाल बछाने, श्री असीम मिर्जा, ब्लाक समन्वयक आवास एवं गब्बु सिंह राठौर उपस्थित थे ।

आगामी तीन माह में 78 शासकीय सेवक सेवानिवृत्त होंगे

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में विभिन्न विभागों के कुल 78 शासकीय सेवक आगामी तीन महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। जिला पेंशन अधिकारी उपेन्द्र मरावी ने बताया कि अब तक 9 प्रकरण कार्यालय को प्राप्त हुए हैं। शेष प्रकरणों को शीघ्र उपलब्ध कराने हेतु पत्राचार किया गया है। जिला पेंशन अधिकारी श्री मरावी ने बताया कि आगामी तीन माह क्रमशः अक्टूबर में 27, नवम्बर में 19 तथा दिसम्बर माह में 32 इस प्रकार जिले के विभिन्न कार्यालयों से इस वर्ष कुल 78 शासकीय सेवक सेवानिवृत्त होने वाले हैं। इनमें से अब तक केवल 09 पेंशन प्रकरण ही जिला पेंशन कार्यालय में प्राप्त हुए हैं, जबकि शेष 69 प्रकरण अभी भी अप्राप्त हैं। अधिकारी ने बताया कि अप्राप्त पेंशन प्रकरणों की सूची संबंधित आहरण संवितरण अधिकारियों को प्रेषित कर दी गई है।

नपा की स्वच्छता टीम ने स्कूलों में चलाया नशा मुक्ति व स्वच्छता जागरूकता अभियान

बैतूल (निप्र)। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद बैतूल की स्वच्छता टीम द्वारा शनिवार को नगर के विभिन्न स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सतीश मत्सानिया ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशा मुक्ति अभियान के तहत नशे से संबंधित सभी चीजों से दूर रहने और उसके दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई।

स्वास्थ्य शिविरों में महिलाओं, किशोरियों की स्वास्थ्य जांच की गई

रायसेन (निप्र)। प्रदेश के साथ ही जिले में 17 सितम्बर शुरू हुए सेवा पखवाड़ा अभियान में सामूहिक भागीदारी से सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई का अभियान चल रहा है। इसी के साथ महिला सशक्तिकरण सहित हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स और स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयोजित किए जा रहे स्वास्थ्य शिविरों में महिलाओं, किशोरियों की स्वास्थ्य जांच की जा रही है। शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाड़ी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें हृदय रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा हृदय रोगियों की स्वास्थ्य जांच, ईसीजी एवं इको जांच की गई। शिविर में अन्य बीमारियों की भी जांच और आवश्यक उपचार किया गया। स्वास्थ्य शिविर में स्थानीय जनप्रतिनिधी, डॉक्टर्स, सीएचओ, एएनएम, आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसी प्रकार रायसेन में नगर पालिका परिषद द्वारा विभिन्न वार्डों में जाकर स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं। जिसमें जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा साफ सफाई की गई तथा नागरिकों को भी स्वच्छता बनाए रखने की समझाईश दी गई। पोषण माह के तहत जिले के आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषण प्रदर्शनी का आयोजन किया गया तथा महिलाओं को पोषण आहार बनाने की जानकारी भी दी गई।

जेएच प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में इनोवेशन काउंसिल का गठन

बैतूल (निप्र)। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार एवं अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के दिशानिर्देशों के अनुरूप जेएच प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में इनोवेशन काउंसिल का गठन किया गया है। कॉलेज प्राचार्य डॉ. मीनाक्षी चौबे की अध्यक्षता में गठित इस इनोवेशन काउंसिल का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, रचनात्मकता एवं उद्यमिता की भावना को प्रोत्साहित करना है।

काउंसिल के उपाध्यक्ष के रूप में कोसमी इंडस्ट्रियल असोशिएशन के अध्यक्ष श्री आशीष पांडे को परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया। परिषद के समन्वयक का दायित्व अभाशितप पाठ्यक्रम प्रभारी प्रो राकेश कुमार पवार को दिया गया। परिषद के अन्य सदस्यों में महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र स्टार्ट अप विशेषज्ञ सूर्यदीप चौरसिया और अर्पण गोहे को सम्मिलित किया गया। जबकि अन्य सदस्यों के रूप में उद्यमियों और शिक्षाविदों जितेंद्र हेमवानी, पीयूष तिवारी, अजय बारस्कर, सुरेंद्र कपूर, दिलीप सूर्यवंशी, आयुष लाड, विवेक शुक्ला को सम्मिलित किया गया।

आईपीआर विशेषज्ञ के रूप में शासकीय विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ हर्षवर्धन यादव तथा बैंकिंग प्रतिनिधी के रूप में मुस्कान राठौर को सम्मिलित किया गया। प्राध्यापक समूह की ओर से डॉ स्वाति लोखंडे, डॉ दिव्या डांगी, प्रो संतोष पाटिल, प्रो हितेश जैन और प्रो शिवकुमार चौधरी को अभाशितप पाठ्यक्रमों के अंतर्गत विभिन्न नवोन्मेषी गतिविधियों के संचालन के लिए अलग अलग दायित्व प्रदान करते हुए परिषद में सम्मिलित किया गया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर में आयोजित शिविर में हुए 461 पंजीयन

बैतूल (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान 17 सितंबर से प्रारंभ किया गया है, जो आगामी 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक चलेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि अभियान के तहत जिले में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि अभियान के अंतर्गत 22 सितम्बर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घोड़ाडोंगरी में शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में जिला चिकित्सालय बैतूल से स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, नाक कान गला रोग विशेषज्ञ, मानसिक रोग विशेषज्ञ, अस्थि रोग विशेषज्ञ, दंत रोग चिकित्सक द्वारा हितग्राहियों का परीक्षण एवं उपचार किया जाएगा। मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.के. रघुवंशी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 20 सितम्बर 2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान ''सेवा पखवाड़ा'' अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ श्रीमती नीतू गुप्ता मण्डल अध्यक्ष एवं जनपद अध्यक्ष श्री शिव शंकर मवासे द्वारा किया गया। शिविर में कुल पंजीयन 461 किए गए। स्त्री रोग 86, शिशु रोग 38, नाक कान गला 18, मानसिक रोग 40, हड्डी रोग 49, दंत रोग 20, बीपी के 82, सिकल सेल 62, एएनसी 25 एवं टीबी स्क्रीनिंग 245 मरीज की जांच एवं उपचार किया गया। स्वास्थ्य शिविर में जिला चिकित्सालय बैतूल से अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ रूपेश पद्माकर, मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय खातरकर, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ रूपल श्रीवास्तव, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ विनोद वर्डे, नाक कान गला विशेषज्ञ डॉ. ऋषि माहोर, दंत रोग चिकित्सक डॉ दामडे अर्श देवीदास, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. आशीष ठाकुर द्वारा शिविर में आए हुए मरीजों की जांच कर उपचार एवं आवश्यक परामर्श दिया गया। शिविर का निरीक्षण जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश परिहार एवं डीपीएम डॉ विनोद शाक्य द्वारा किया गया। शिविर में डॉ प्रमोद भालसे, डॉ महिला सिंह, डॉ कार्तिक पारासर, डॉ गर्विता साहू, बीपीएम, बीसीएम एवं अन्य स्वास्थ्य विभाग अमला उपस्थित रहा।

शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र विनोबा वार्ड के शिविर में हुए 403 पंजीयन : शहरी क्षेत्र नोडल अधिकारी डॉ रत्नेश खाड़े द्वारा दी गई जानकारी अनुसार शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र विनोबा वार्ड के अंतर्गत 20 सितम्बर 2025 को संस्कार विद्या मंदिर परिसर में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार ''सेवा पखवाड़ा'' के अंतर्गत शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें माननीय जनप्रतिनिधि के रूप में श्रीमती सुनीता पिंटू महाले

दौराहा सीएचसी में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित

अभियान के तहत जिलेभर में शिविर लगाकर प्रदान की जा रही हैं स्वास्थ्य सेवाएं

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से जिले में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत जिलेभर में स्वास्थ्य संस्थाओं पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर महिलाओं, किशोरियों, बच्चों एवं अन्य सभी नागरिकों स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इसी क्रम में 20 सितंबर को अभियान के तहत सीहोर के हाउसिंग बोर्ड स्थित मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर का शुभारंभ विधायक श्री सुदेश राय ने किया। शिविर में डॉक्टरों एवं विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं, किशोरियों और बच्चों की जांच की गई एवं स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। इस अवसर पर राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य श्री सीताराम यादव, श्री सुदीप प्रजापति एवं श्रीमती प्रभा कमलेश कुशवाह सहित डॉक्टर एवं स्वास्थ्य अमले के कर्मचारी उपस्थित थे। सीएमएचओ सुधीर डेहरिया ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के सभी विकास खंडों में शिविर आयोजित किए गए। 20 सितंबर को जिलेभर में आयोजित इन सभी शिविरों में कुल 10,746 हितग्राहियों को स्वास्थ्य सेवाएं दी गईं।

दौराहा सीएचसी में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित

अभियान के तहत श्यामपुर विकासखंड के दौराहा सीएचसी में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में भोपाल एम्स के स्त्री रोग विशेषज्ञ, नाक, कान एवं गला रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, मेडिकल विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं, किशोरियों, बच्चों एवं अन्य मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई। विशेषज्ञों द्वारा इनकी जांच की गई और आवश्यकतानुसार उपचार प्रदान किया गया। शिविर में कुल 281 हितग्राहियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने हरदा व बावड़िया पहुंचकर शोक संवेदना प्रकट की

हरदा (निप्र)। भारत सरकार के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को हरदा व बावड़िया पहुंच कर शोक संवेदनाएं व्यक्त की। कृषि मंत्री श्री चौहान ने ग्राम बावड़िया में श्री राजेंद्र सिंह राजपूत के निवास पर पहुँचकर उनके पिता स्वर्गीय श्री दयाराम राजपूत एवं हरदा के श्री धरंजय इनानिया की माता स्वर्गीय भगवती बाई इनानिया के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने और शोक संतप्त परिवार को दुख की इस घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। इस दौरान पूर्व मंत्री श्री कमल पटेल, पूर्व विधायक टिमरनी श्री संजय शाह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गजेंद्र शाह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दर्शन सिंह गहलोत सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

चल समारोह में घातक हथियार पर प्रतिबंध, कानून व्यवस्था का उल्लंघन करने वालों पर होगी दंडात्मक कार्रवाई

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में शनिवार को कंट्रोल रूम में आगामी त्योहारों के दृष्टिगत शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि धार्मिक त्योहारों में किसी भी प्रकार की हिंसा न हो यह सुनिश्चित किया जाए। सभी लोग कानून व्यवस्था का गंभीरता से पालन करें, उल्लंघन करने वालों पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने नवदुर्गा उत्सव 2025 के दृष्टिगत दुर्गा पंडाल समिति सदस्यों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने समिति के सदस्यों को निर्देशित किया कि दुर्गा पंडालों को बारिश की संभावना के दृष्टिगत बनाए, जो बिजली के तारों के नीचे ना हो। दुर्गा पंडाल में बिजली के तार उच्च गुणवत्ता के हो जिससे इलेक्ट्रिक करंट की संभावना न रहे। अग्नि से होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव के लिए फायर एक्सटिंग्विशर एवं पानी का ड्रम आवश्यक रूप से रखें। वहीं बड़े दुर्गा पंडालों, जागरण कार्यक्रमों, गरबा स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी रखी जाए। प्रसाद वितरण की व्यवस्था ऐसी रहे कि जिससे किसी प्रकार की आमजनों को असुविधा न हो। भंडारा स्थल पर डस्टबिन की व्यवस्था कर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखे। रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था रहे, रोशनी की समस्या पर त्वरित निराकरण किया जाएं। प्रशासन और पुलिस के निर्देशों का गंभीरता से पालन करें। कार्यक्रमों सफल आयोजन में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाए। कानून व्यवस्था मजबूत रहे। कानून व्यवस्था के विरुद्ध कोई भी कार्य न हो इसका ध्यान रखें। उन्होंने दुर्गा पंडाल समिति के सदस्यों के नाम और मोबाइल नंबरों की सूची थाने में प्रदान कर रात्रि में कम से कम दो सदस्यों को सुरक्षा की दृष्टि से दुर्गा पंडाल में तैनात किए जाने के निर्देश दिए।

शासन द्वारा निर्धारित स्थलों पर ही किया जाए प्रतिमा विसर्जन : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने विसर्जन की व्यवस्थाओं के बारे में नगर पालिका से जानकारी ली। उन्होंने विसर्जन के सभी स्थलों करबला, कोसमी, फिल्टर प्लांट इत्यादि पर विसर्जन कुंड की व्यवस्था बनाए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने समिति के पदाधिकारी से कहा कि शासन द्वारा निर्धारित स्थलों पर ही प्रतिमा का विसर्जन किया जाएं। नगर पालिका को भी ताकीद किया कि विसर्जन की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रगतिरत मार्गो पर शोल्डर्स को ठीक कराए, ताकि कोई दुर्घटना न हो। मार्गो पर दुकानों की सामग्री न रखें इसका गंभीरता से पालन कराएं। मार्गो पर सामग्री रखने वाले दुकानदारों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएंगी।

चल समारोह में समय का भी विशेष ध्यान रखें: एसपी श्री जैन : पुलिस अधीक्षक श्री वीरेन्द्रजैन ने कहा कि आप लोगों के संवाद के लिए हम सदैव तत्पर हैं। संवादहीनता कि स्थिति न बने। संवाद बना रहे। आपसी समन्वय से त्योहारों का सफल संचालन किया जाएं। उन्होंने विशेष जोर दिया कि 70 डेसिबल से अधिक पर ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग न हो। नियमों के उल्लंघन पर ध्वनि यंत्रों के जप्त करने की कार्यवाही की जाएगी। अनुबंध के दौरान भी इस बात का विशेष ध्यान रखें। इसी प्रकार चल समारोह में समय का भी विशेष ध्यान रखें। विसर्जन के दौरान घातक हथियारों का प्रदर्शन पूर्णत प्रतिबंध रहेगा। डांडिया संचालित करने वाली संस्था कर्मचारी और सदस्यों की सूची सभी थानों में दी जाए। एसडीएम श्री अभिजीत सिंह ने बताया कि सभी आयोजक निर्धारित बिंदुओं पर एसडीएम कार्यालय से अनिवार्य रूप से अनुमति लें। डीजे निर्धारित मानक ध्वनि से अधिक पर न बजाया जाएं।

दिनकर जयंती समारोह आज

भोपाल। बिहार फाउन्डेशन भोपाल चैप्टर द्वारा 23 दिसम्बर 2025 को राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की जयंती समारोह का आयोजन दुष्यंत संग्रहालय सभागृह में अपराह्न 4 बजे से किया जा रहा है। समारोह के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर होंगे तथा अध्यक्षता पुलिस महानिदेशक (से.नि.) अनुराधा शंकर जी करेंगी। विशिष्ठ अतिथि के रूप में सप्रे संग्रहालय के संस्थापक पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर रहेंगे तथा सारस्वत उद्बोधन श्री संजय कुमार, अपर संचालक तकनीकी शिक्षा का होगा।

बिहार फाउन्डेशन भोपाल चैप्टर के अध्यक्ष आर.एम.पी. सिंह ने बताया कि हाल हीं में बिहार फाउन्डेशन के भोपाल चैप्टर का गठन हुआ है। बिहार के मुख्यमंत्री इसके संरक्षक, उपमुख्यमंत्री अध्यक्ष तथा पर्यटन मंत्री व उद्योग मंत्री इस संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। इसका पैरेन्ट डिपार्टमेंट उद्योग विभाग है। भोपाल चैप्टर के अध्यक्ष जनसम्पर्क विभाग मध्यप्रदेश के सेवानिवृत्त अपर संचालक आर.एम.पी. सिंह, राजेश्वर सिंह उपाध्यक्ष और कुंवर प्रसाद कोषाध्यक्ष तथा संतोष कुमार सचिव बनाए गए है।

उल्लेखनीय है कि दिनकर जी का जन्म बिहार प्रांत के तत्कालीन मुंगेर और वर्तमान बेगूसराय जिले के सिमरिया घाट ग्राम में 23 सितंबर 1908 को एक सामान्य कृषक परिवार में हुआ था उनकी प्रारंभिक शिक्षा गांव और उच्च शिक्षा पटना में हुई। वे शासकीय सेवा में उप रजिस्ट्रार और बाद में डिप्टी डायरेक्टर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग में थे। लेकिन उनके भीतर काव्य की धारा प्रवाहित हो रही थी अतः उन्होंने शाकसीय सेवा को त्याग कर लेखन कार्य को स्वीकार किया। बाद में तत्कालीन बिहार विश्वविद्यालय के लंगोट सिंह कालेज में हिन्दी के प्रध्यापक व विभागाध्यक्ष बने तत्पश्चात भागलपुर विश्वविद्यालय में कुलपति के पद पर रहे। राज्यसभा में हिन्दी अधिकारी रहे। उनकी पुस्तकों में रेणुका, सामधेनी, कुरूक्षेत्र, रश्मिरथी और परशुराम की प्रतीक्षा, उर्वशी, रसवंती आदि प्रमुख है। गद्य में 'संस्कृति के चार अध्याय' उनकी महान कृति है। महाकवि हरिवंशराय बच्चन ने कहा था कि 'दिनकर' जी को दो ज्ञानपीठ पुरस्कार मिलना चाहिए। एक पद के लिये दूसरा गद्य के लिये। भारत सरकार ने उन्हें 'पद्मभूषण' से नवाजा था। महान कवि का 24 अप्रैल 1974 को चेन्नई में निधन हो गया।

भोपाल में भाजपा का जीएसटी प्रचार अभियान, चौक बाजार पहुंचे सीएम

व्यापारियों-ग्राहकों को बता रहे जीएसटी की घटी दरों के फायदे, कुर्ता-पायजामा खरीदा

भोपाल (नप्र)। भारत सरकार ने सोमवार से जीएसटी की दरों में कटौती की है। भाजपा इसका प्रचार कर रही है। इसी अभियान के तहत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल के चौक बाजार में पहुंचे और व्यापारियों को जीएसटी में हुए संशोधन से होने वाले फायदे बताए। उन्होंने व्यापारियों से संवाद भी किया। साथ ही लखेरापुरा की सत्यम फेब्रिक्स से खादी के कुर्ता-पायजामा भी खरीदा। उनके साथ भोपाल सांसद आलोक शर्मा भी हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को नवरात्र के पहले दिन कर्फ्यू वाली माता के दर्शन और पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को चौक बाजार भोपाल में जीएसटी रिफ़ॉर्म के जनजागरण अंतर्गत व्यापारिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और आम नागरिकों के साथ बचत उत्सव में सहभागिता की। मुख्यमंत्री ने छोटे दुकानदारों सहित विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर जाकर व्यवसायियों से संवाद किया।

मुख्यमंत्री ने भवानी मंदिर सोमवारा से जीएसटी प्रचार अभियान की शुरूआत की। उन्होंने व्यापारियों, स्थानीय रहवासियों और ग्राहकों से भी बात की। दुकानदारों और स्थानीय लोगों ने जीएसटी प्रचार अभियान का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि जीएसटी की दरों में कटौती होने से आमजन को क्या-क्या फायदा मिलेगा।

व्यापारियों और ग्राहकों से संवाद किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव चौक बाजार में पुलिस चौकी से दीपाली साड़ी प्रतिष्ठान तक पैदल भ्रमण कर मुख्यमंत्री बाजार में खरीददारी करने आए ग्राहकों और व्यापारियों से जीएसटी के बारे में चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने व्यापारियों को जीएसटी रेजोल्यूशन की प्रतियां वितरित कीं। व्यापारियों को समझाइश दी और जीएसटी को लेकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।

मोतीलाल मन्नूलाल धर्मशाला में संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मोतीलाल मन्नूलाल धर्मशाला पहुंचे, जहां वे व्यापारिक, वाणिज्यिक एवं सामाजिक संगठनों के करीब 300 प्रतिनिधियों से रूबरू होकर संवाद कर रहे हैं। संवाद के दौरान केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी की दरों में कटौती किए जाने से क्रेता-विक्रेता को होने वाले लाभों की जानकारी दी दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मोतीलाल मन्नूलाल धर्मशाला पहुंचे, जहां वे व्यापारिक, वाणिज्यिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से संवाद किया। संवाद के दौरान केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी की दरों में कटौती किए जाने से दुकानदारों और ग्राहकों को होने वाले फायदों की जानकारी दी।

कर्फ्यू वाली माता के दर्शन किए

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शारदीय नवरात्र की घट स्थापना अवसर पर कर्फ्यू वाली माता मंदिर में दर्शन-पूजन की।

मोदी जी सबके कल्याण के लिए काम कर रहे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के चौक बाजार में जीएसटी रिफॉर्म जन जागरण अभियान के अंतर्गत व्यापारिक, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों से संवाद किया। सीएम ने कहा-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के माध्यम से देश समृद्ध हो रहा है। मोदी जी सभी वर्गों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं।

यहां का पैसा यहीं रोटेट होगा

सीएम ने कहा- हमारी सरकार बनने के बाद ही हमने उद्योग धंधों को बढ़ावा देने के लिए सभी प्रकार की व्यवस्थाओं में सुधार किए। जब राज्य समृद्ध होगा तो इकोनामिक दृष्टि से यहां का पैसा यहीं रोटेट होगा।

देश, स्वदेशी के भाव को लेकर आजाद हुआ। मोदी जी के नेतृत्व में भारत चौथी अर्थव्यवस्था से तीसरी अर्थव्यवस्था की तरफ आगे बढ़ रहा है। स्वदेशी के मूल भाव को अपनाते हुए हम नंबर वन का देश बनने के लिए आगे बढ़ेंगे।

उपभोक्ताओं को मिलने वाली छोटी से छोटी चीज मेक इन इंडिया और मेड इन इंडिया होना चाहिए। हमारे देश की आर्थिक समृद्धि का सूत्र है, यहां का बना हुआ उत्पाद यही खपे और यहां से बनी हुई चीजे दुनिया में निर्यात हों। किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीबो के लिए हमारी सरकार के पास धन की कोई कमी नहीं है। सभी को आगामी दशहरा और दीपावली पर्व की बधाई देता हूं।

पावर सेंटर बनता पदाधिकारी का बंगला

मोहन का मंत्रालय

आशीष चौधरी

जब से प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कमान संभाली है संगठन का पावर सेंटर एक पदाधिकारी का निवास बन गया। दो-तीन महत्वपूर्ण बैठकों को छोड़ दिया जाए तो पार्टी की उच्च स्तरीय बैठक हो या कोर ग्रुप की, पदाधिकारी के निवास पर से ही पावर ग्रुप की बैठक हो रही है। सूत्र बताते हैं कि पदाधिकारी का निवास इन दिनों संगठन और सरकार के बीच सत्तासूत्र बन गया है। यहीं से ही संगठन के निर्देश और कार्यक्रमों की योजनाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सूत्रों का तो यह भी कहना है कि यह पहली बार देखने में आ रहा है कि प्रदेश कार्यालय से नहीं, पावरफुल पदाधिकारी संगठन और सरकार पर अपने निवास से ही समीकरण बैठा रहे हैं।

माननीय की अज्ञानता

कांग्रेस के एक माननीय विधायक की अज्ञानता बैठक में उपहास का कारण बन गई। हाल ही में एक बड़े जिले में आयोजित 'दिशा' की बैठक में माननीय विधायक ने ऐसा कह दिया कि बैठक में मौजूदा तमाम जनप्रतिनिधि और अधिकारी तक मुंह दबाकर हंसने लगे। माननीय विधायक ने एक विषय आने पर ताबड़तोड़ बोलना शुरू कर दिया और कहा कि उनके क्षेत्र को स्मार्ट सिटी में शामिल किया गया। उनके क्षेत्र की स्तिथि स्मार्ट सिटी के बावजूद खराब है। माननीय विधायक ने अपनी विधायकी की क्षेत्र के चार-पांच इलाकों का नाम लिया और कहा कि यहां तो स्मार्ट सिटी देखने को ही नहीं मिलती। सड़कें खराब है, सड़कों में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए, अतिक्रमण है सड़कों पर लाइट नहीं है। बैठक में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधि और अधिकारी, विधायक जी की अज्ञानता को समझ कर मुंह दबाकर हंसे। माननीय विधायक को भी माजरा समझ में आया तो विधायक जी विषयांतर हो गए। इस पर बैठक में मौजूद सांसद ने विधायक को समझते हुए कहा कि आप जिन क्षेत्रों का नाम ले रहे हैं वह स्मार्ट सिटी में शामिल नहीं है। आपको इसकी जानकारी नहीं है आप अध्ययन करके बैठक में आया करें, तब कहीं माननीय विधायक शांत हुए।

..तो हम अपने ही हाथों से सम्मानित हो जाते?

पिछले दिनों साहित्य अकादमी का अलंकरण समारोह संपन्न हुआ। समारोह में दो वर्षों के दर्जन भर से भी ज्यादा साहित्यकार सम्मानित हुए। इसमें अतिथि के तौर पर विभागीय मंत्री आने वाले थे, लेकिन वे नहीं आये। ऐसे में आयोजकों ने आनन-फानन में 'अतिथियों' का जुगाड़ के लिए नजर दौड़ाई। नजर भी ज्यादा दूर तक नहीं गई और सम्मानित होने वाली विभूतियों में से ही एक बड़े नाम वाले को अतिथि बनाकर अन्य साहित्यकारों का सम्मान करा दिया। अब सम्मानित साहित्यकार कह रहे हैं कि जब हमारे बीच में से ही किसी के हाथों सम्मानित कराना था तो हम अपने ही हाथों से ही मैडल पहने लेते। दूसरी मजेदार बात यह रही कि कार्यक्रम के उद्घोषक स्वयं भी उसी मंच पर सम्मानित हुए। यह सब देखकर ऐसा लग रहा है कि अब साहित्य अकादमी के अलंकरण समारोह 'घर की बात' बन कर रह गये हैं।

पुलिस अधिकारी की किस्मत!

प्रदेश के पुलिस अधिकारी की किस्मत खराब है या कुछ और बात है ! पुलिस अधिकारी जहां भी पदस्थ रहते हैं बेवजह ही उनका नाम विवादों में आ जाता है और वह इसके दंड के भागी हो जाते हैं। जी हाँ, हम बात कर रहे इंदौर में पदस्थ डीसीपी की हैं जिन्हें मुख्यमंत्री ने ट्रक हादसे में निलम्बित दिया। ट्रक हादसे में मुख्यमंत्री ने अन्य पुलिस अधिकारियों को भी कर्तव्य में लापरवाही का जिम्मेदार मानते हुए निलंबित कर पुलिस मुख्यालय अटैच किया है। डीसीपी साहब इससे पहले मालवा के एक जिले की समान संभालने के दौरान रात्रि में एक फोन पर इतने झल्ला गए थे कि उन्होंने फोन करने वाले को न केवल लताड़ा बल्कि खूब ऊंचा नीचा कहा। बस फिर क्या था फोन करने वाले ने यह टेलिफोनिक संवाद वायरल कर दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने एसपी साहब को जिले से चलता कर दिया। पुलिस मुख्यालय के अधिकारी कह रहे हैं कि बेचारे डीसीपी साहब अनावश्यक बलि का बकरा बनते जा रहे हैं।

दादी को पोता चाहिए था इसलिए पोती को मारा

4 महीने की बच्ची के मुंह में कपड़ा ठूंसा; पोटली में बांध कुएं में फेंकी लाश

सिवनी मालवा (नप्र)। नर्मदापुरम जिले की सिवनी मालवा तहसील के ग्राम बेरखेड़ी में शुक्रवार (19 सितंबर) को हुई 4 महीने की बच्ची की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। बच्ची की हत्या उसकी दादी मीनाबाई अशवारे ने की थी। पुलिस ने आरोपी दादी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक 27 मई को जन्मी इस बच्ची को लेकर दादी मीनाबाई खुश नहीं थी, क्योंकि उसे पोते की चाहत थी। घटना वाले दिन बच्ची कृतिका आंगन में झूले पर सो रही थी। मां मीरा घर के पीछे बर्तन धो रही थी। इसी दौरान मौका पाकर मीनाबाई ने बच्ची के मुंह में गमछा ठूंस दिया, जिससे उसकी सांसें थम गईं। बच्ची के मरने के बाद मीनाबाई ने शव को पोटली में बांधकर सूखे कुएं में फेंक दिया और बचने के लिए अपने बाड़े की सफाई करने लगी।

पोटली खोलने से रोका, कहा- गंदे कपड़े हैं

शुक्रवार को बच्ची के गायब होने के बाद पूरा गांव उसकी तलाश में जुट गया। खोजबीन के दौरान ग्राम कोटवार और बच्ची के दादा निर्भय सिंह ने कुएं में पोटली देखी थी। मीनाबाई ने यह कहकर उसे निकालने से रोक दिया था कि उसमें महावारी के गंदे कपड़े रखे हैं। बाद में पुलिस ने जब पोटली खोली तो उसमें बच्ची का शव मिला।

3 दिन तक कुएं में पड़ी रही शव की पोटली

बच्ची के पिता शुभम अशवारे ने बताया, मैं काम पर गया हुआ था। तभी घर से सूचना मिली की बच्ची गायब हो गई है। उसके बाद हमने बहुत ढूंढा, पर वो नहीं मिली। जिस पोटली में लाश मिली वह तो 3 दिन से कुएं में पड़ी हुई थी।

दादी को पोती नहीं पोते की चाह थी

सिवनी-मालवा थाना प्रभारी राजेश दुबे ने बताया कि फोरेंसिक विशेषज्ञ की सलाह पर दो डॉक्टरों की टीम ने जिला चिकित्सालय में पोस्टमॉर्टम किया। पीएम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि बच्ची के मुंह में 24 सेंटीमीटर लंबा और 10 सेंटीमीटर चौड़ा गमछे का टुकड़ा मिला, जिससे दम घुटने के कारण उसकी मौत हुई।

टीआई राजेश दुबे ने बताया कि बच्ची की दादी पोती नहीं चाहती थी, उसे पोते की चाह थी। इसीलिए कृतिका उसे पसंद नहीं थी। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो मीनाबाई ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसके खिलाफ बीएनएस की धारा 103 (1) के तहत अपराध दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है।

खंडवा में दो कब्रों से छेड़छाड़ महिला का शव निकाला

सीसीटीवी कैमरे में दिखाई दिए दो युवक 4 महीने पहले 6 कब्रें खोली थीं

खंडवा (नप्र)। खंडवा के कब्रिस्तान में दो कब्रें खोदकर शव निकालने का मामला सामने आया है। इनमें से एक कब्र हाल ही में दफनाई गई महिला की थी जबकि दूसरे की पहचान नहीं हो पाई है। वारदात रविवार-सोमवार की दरमियानी रात बड़ा कब्रिस्तान की है। सोमवार सुबह लोगों को इसका पता लगा। परिजन के साथ बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस की टीम भी आई। महिला के शव को दोबारा कब्र में दफनाया गया।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो वीडियो में दो युवक पूरी तरह निर्वस्त्र कब्र के पास खड़े दिखे। इनमें से एक खंभे पर चढ़कर सीसीटीवी कैमरे पर कफन का कपड़ा डालता दिखा। पुलिस ने डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) जब्त कर लिया है। इससे पहले मई में भी ऐसी ही वारदात सामने आई थी। इसके बाद कब्रिस्तान में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे।

काजी बोले- धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची

खंडवा शहर काजी सैयद निसार अली ने कहा- यह धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली वारदात है। दोषियों को जल्द पकड़कर कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।वहीं, सीएसपी अभिनव बारंगे ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।सोमवार सुबह परिजन ने कब्र को दोबारा सुधारा।

पति के सामने महिला को 35 बार चाकू मारे

पति बोला- 3 बदमाशों ने हमला किया, मुझे भी पीटा; पुलिस को थ्योरी पर शक

खंडवा (नप्र)। खंडवा में महिला की चाकू मार-मारकर हत्या कर दी गई। महिला के पति ने पुलिस को वारदात की सूचना दी। उसने बताया कि 3 बदमाशों ने उसके सामने महिला को चाकू मारे। बचाने गया तो उसे भी जमकर पीटा। वह बेहोश हो गया।

मामला रविवार देर रात करीब 11 बजे पदम नगर थाना इलाके के डिगरीस और बावडियाकाजी गांव के बीच का है। महिला की पहचान संगीता उर्फ पप्पी (35) पति महेंद्र पटेल गुर्जर निवासी डिगरीस के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर एसपी समेत आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल से शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया।

बाइक अड़ाकर कुछ लोग शराब पी रहे थे- महेंद्र ने पुलिस को बताया- संगीता को पेट दर्द होने पर मैं उसे बाइक से जिला अस्पताल ले जा रहा था। गांव के बाहर निकले ही थे कि 3 बदमाश रास्ते में बाइक अड़ाकर शराब पी रहे थे। मेरी पत्नी ने टोका कि तुम लोगों को समझ नहीं आती कि रोड पर गाड़ी अड़ाकर बैठे हो।

इतने में उन लोगों ने मेरी बाइक रोक ली। मैं पत्नी की तरफ से माफी मांगता रहा, लेकिन वो लोग नहीं माने। अंधेरे के कारण मैं उन्हें पहचान नहीं पाया। वो लोग अलग भाषा बोल रहे थे, जो हमारी समझ से बाहर थी। दो लोगों ने मुझे पकड़ा, एक ने पत्नी को चाकू से गोद-गोदकर मार डाला।

दोनों ने दूसरी शादी की, बेटा-बेटी संगीता से- महेंद्र की डिगरीस गांव में किराना दुकान है। पड़ोसियों ने बताया कि महेंद्र किराना सामान के साथ शराब बेचने का काम भी करता है। संगीता महेंद्र के किराना व्यापार में हाथ बंटाती थी। संगीता आदिवासी समाज से थी। महेंद्र ने पहली पत्नी को तलाक देकर उससे शादी की थी।

नवरात्रि में बारिश: 3 दिन हल्की, फिर तेज पानी गिरेगा

भोपाल में कोलार, कलियासोत और भदभदा डैम के गेट खुले, प्रदेश में 118 प्रतिशत ज्यादा बारिश

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में अगले 3 दिन हल्की बारिश होने की संभावना है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में हल्की बारिश का दौर रहेगा, लेकिन 25-26 सितंबर से प्रदेश में तेज बारिश हो सकती है। इसके बाद मानसून की वापसी होने लगेगी।

सोमवार को भोपाल में सुबह से धूप निकली थी। इससे पहले रविवार को भोपाल के कोलार डैम, कलियासोत और भदभदा डैम के गेट खुले रहे। वहीं, नर्मदापुरम, उज्जैन, मंडला, नरसिंहपुर समेत 15 से अधिक जिलों में हल्की बारिश हुई। उज्जैन में दिनभर उमस और धूप के कारण तेज गर्मी से परेशान लोगों को शाम को तेज बारिश से राहत मिली।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि रविवार को प्रदेश में बारिश का कोई भी सिस्टम एक्टिव नहीं रहा। हालांकि, कई बार लोकल सिस्टम की वजह से बारिश होने लगती है। उन्होंने कहा- मंगलवार को भी हल्की बारिश होने की संभावना है। 25 सितंबर से लो प्रेशर एरिया (कम दबाव का क्षेत्र) एक्टिव होने से तेज बारिश का सिलसिला शुरू होगा।

अब तक 118 प्रतिशत बारिश हो चुकी- मध्यप्रदेश में 16 जून को मानसून ने आमद दी थी। तब से अब तक औसत 43.8 इंच बारिश हो चुकी है। अब तक 36.3 इंच पानी गिरना था। इस हिसाब से 7.5 इंच पानी ज्यादा गिर चुका है।

प्रदेश की सामान्य बारिश औसत 37 इंच है। यह कोटा पिछले सप्ताह ही पूरा हो गया है। अब तक 118 प्रतिशत बारिश हो चुकी है।

इंदौर संभाग की तस्वीर सुधरने लगी- इस मानसूनी सीजन में शुरुआत से ही इंदौर और उज्जैन संभाग की स्थिति ठीक नहीं रही। एक समय तो इंदौर में प्रदेश की सबसे कम बारिश की स्थिति थी। ऐसे में अटकलें थीं कि क्या इस बार इंदौर में सामान्य बारिश भी होगी? लेकिन सितंबर महीने में तेज बारिश की वजह से इंदौर में सामान्य बारिश का कोटा पूरा हो गया।

हालांकि, संभाग के बड़वानी, खरगोन और खंडवा की तस्वीर बेहतर नहीं है। दूसरी ओर, उज्जैन में अब भी कोटा पूरा नहीं हुआ है। सबसे कम बारिश वाले जिलों में शाजापुर दूसरे नंबर पर है।